आज का विचार

खुद को एक सोने के सिक्के जैसा बनाइये जो कि अगर नाली में भी गिर जाए तो भी उसकी कीमत कम नहीं होती।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । रविवार, 6 जुलाई, 2025 वर्ष 23, अंक 165, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

शाह ने गुजरात के आणंद में देश के पहले सहकारी विश्वविद्यालय त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी का भूमि पूजन किया

संवाददाता
नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गुजरात के आणंद में देश के पहले सहकारी विश्वविद्यालय त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल और केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज का दिन सहकारिता क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है, जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने त्रिभुवन दास पटेल जी को सच्ची श्रद्धांजलि देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि चार साल पहले प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश के करोड़ों गरीबों और ग्रामीणों के जीवन में आशा का संचार करने और उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद से पिछले 4 साल में सहकारिता मंत्रालय ने भारत में सहकारिता क्षेत्र के विकास, संवर्धन और समविकास के लिए 60 नई पहल की हैं। श्री शाह ने कहा कि ये सभी पहल सहकारिता आंदोलन को चिरंजीव, पारदर्शी, लोकतांत्रिक बनाने, विकसित करने, सहकारिता के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने और सहकारिता आंदोलन में मातृशक्ति और युवाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए की गईं। अमित शाह ने कहा कि आज यहां 125 एकड़ में 500 करोड़ रूपए की लागत से देश के पहले त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी की आधारशिला रखने का काम हुआ है। उन्होंने कहा कि आज त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी का शिलान्यास सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने में रह गई सभी कमियों को पूरा करने वाली एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज देशभर में सहकारिता आंदोलन बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने

कहा कि इस यूनिवर्सिटी का शिलान्यास प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में एक युगांतरकारी कदम है। आज देशभर में 40 लाख कर्मी सहकारिता आंदोलन के साथ जुड़े हैं, 80 लाख बोर्ड्स के सदस्य हैं और 30 करोड़ लोग, यानी देश का हर चौथा व्यक्ति, सहकारिता आंदोलन से जुड़ा हुआ है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र के विकास के लिए सहकारिता के कर्मचारियों और सहकारी समितियों के सदस्यों के प्रशिक्षण के लिए पहले कोई सुचारू व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने कहा कि पहले कोऑपरेटिव में भर्ती के बाद कर्मचारी को ट्रेनिंग दी जाती थी, लेकिन अब यूनिवर्सिटी बनने के बाद जिन्होंने प्रशिक्षण लिया है, उसी को नौकरी मिलेगी। श्री शाह ने कहा कि इसके कारण सहकारिता में भाई-भतीजावाद खत्म हो जाएगा, पारदर्शिता आएगी और जो सहकारी यूनिवर्सिटी से प्रशिक्षित होकर निकलेगा, उसी को सहकारी क्षेत्र में नौकरी मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस यूनिवर्सिटी में युवा तकनीकी विशेषज्ञता, अकाउंटेंसी, वैज्ञानिक अप्रोच और मार्केटिंग के सारे गुण तो सीखेंगे ही, साथ ही उन्हें सहकारिता के संस्कार भी सीखने को मिलेंगे कि सहकारिता आंदोलन देश के दलित, महिलाओं और आदिवासियों के लिए है। उन्होंने कहा कि सहकारी क्षेत्र की कई समस्याओं का समाधान इस सहकारी यूनिवर्सिटी से हो जाएगा।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश में 2 लाख नए प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (ढअउर) बनाने का निर्णय लिया है जिनमें से 60 हजार नए पैक्स इस वर्ष के अंत तक बन जाएंगे। उन्होंने कहा कि 2 लाख पैक्स में ही 17 लाख कर्मचारी होंगे। इसी प्रकार, कई ज़िला डेयरी बन रही हैं और इन सबके लिए ट्रेंड मैनपावर की जरूरत भी त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय पूरा करेगा। श्री शाह ने कहा कि यह यूनिवर्सिटी सहकारिता में नीति निर्माण, डेटा विश्लेषण और देश के कोऑपरेटिव के विकास की 5 साल, 10 साल और 25 साल की रणनीति बनाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि अनुसंधान को भी इस यूनिवर्सिटी के साथ जोड़ा गया है। यह यूनिवर्सिटी सिर्फ सहकारी कर्मचारी तैयार नहीं करेगी बल्कि यहां से त्रिभुवन दास जी जैसे समर्पित सहकारी नेता भी निकलेंगे जो भविष्य में सहकारिता क्षेत्र का नेतृत्व करेंगे। श्री शाह ने कहा कि उइरए ने 9 से 12 कक्षा के पाठ्यक्रम में सहकारिता विषय को जोड़ा है। गुजरात सरकार को भी अपने पाठ्यक्रम में सहकारिता विषय को जोड़ना चाहिए जिससे आम लोग सहकारिता के बारे में जान सकें।जिस मेगा वैक्यूम ने हमारे सहकारिता आंदोलन को सिकोड़कर रख दिया था उसे भरने का काम यह यूनिवर्सिटी करेगी जिसके कारण अब सहकारिता आंदोलन फलेगा, फूलेगा, आगे बढ़ेगा और भारत पूरे विश्व में सहकारिता का गढ़ बनेगा। शाह ने कहा कि हम कोऑपरेटिव टैक्सी लाना चाहते हैं, कोऑपरेटिव इंश्योरेंस कंपनी भी बनाना चाहते हैं तो हमें हर क्षेत्र के विशेष ज्ञान वाले अधिकारी, कर्मचारी और सहकारी नेता भी चाहिए।उन्होंने पूरे देश के सहकारिता क्षेत्र का आान करते हुए कहा कि देशभर के सहकारिता प्रशिक्षण विशेषज्ञ इस यूनिवर्सिटी से जुड़ें और अपना योगदान दें।

नशे के कारोबार में शामिल बड़ी मछलियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी: भगवंत मान

युवाओं के कत्लेआम के लिए जिम्मेदार 'जरनैलों' को जवाबदेह बनाया जाएगा

संवाददाता
अमृतसर

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि नशे बेचकर युवाओं की जिंदगियां बर्बाद करने वालों के लिए कड़ी सजा सुनिश्चित की जाएगी। पवित्र शहर के निवासियों को लगभग 350 करोड़ रुपए की सड़कों और लाइब्रेरियां समर्पित करने के बाद 'आप' नेता मनीष सिसोदिया की मौजूदगी में एक सभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के कारोबार को संरक्षण देने वाले जरनैलों को पहले ही सलाखों के पीछे डाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले किसी ने भी इन धनाढ्य नेताओं को गिरफ्तार करने की हिम्मत नहीं की थी, लेकिन अब हमारी सरकार ने ऐसा किया है और अपराधियों को अपने पापों की कीमत चुकानी होगी। भगवंत सिंह मान ने लोगों को भरोसा दिलाया कि इन नेताओं के लिए कड़ी सजा सुनिश्चित की जाएगी ताकि कोई भी दोबारा ऐसा अपराध करने की हिम्मत न करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने नशे के खतरे से निपटने के लिए 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान शुरू किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि युवाओं की असीमित ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में ले जाया जा रहा है। नशे के कारण पंजाब को हुए भारी नुकसान पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह अभियान लोगों के सक्रिय सहयोग से राज्य से इस बुराई को खत्म करने के लिए शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि पीड़ितों का शोषण कर तस्करों के फलने-फूलने पर राज्य सरकार चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि नशे की आपूर्ति श्रृंखला को पहले ही तोड़ दिया गया है और इस घृणित कारोबार में शामिल मुख्य अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि पहली बार नशा तस्करों की अवैध रूप से बनाई गई संपत्तियों को जब्त किया जा रहा है या ध्वस्त किया जा रहा है ताकि यह दूसरों को इस ओर आने से रोके।

मुख्यमंत्री ने 3,500 करोड़ रुपए की कुल लागत से 19,000 किलोमीटर संपर्क सड़कों को कवर करने वाले विशाल सड़क परियोजना की शुरूआत की घोषणा भी की। उन्होंने ग्रामीण विकास कोष (आरडीएफ) में राज्य के हिस्से से 6,000 करोड़ रुपए रोकने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और जोर देकर कहा कि यदि ये फंड जारी किए जाते हैं तो राज्य की हर सड़क बनाई जा सकती है। फिर भी, उन्होंने कहा कि राज्य बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए उपलब्ध फंडों का बेहतर उपयोग कर रहा है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों की भलाई के लिए कठिन प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के समय सार्वजनिक उत्सव और खुशी के अवसर गायब हो गए थे और उन्होंने विकास व समृद्धि को नजरअंदाज किया था। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उन सरकारों ने दशकों तक लोगों को धोखा दिया, जिससे राज्य के विकास में बाधा उत्पन्न हुई। पंजाब के लोगों ने उन राजनीतिक दलों को नकार दिया है जो हर पांच साल बाद राज्य को लूटने के लिए सत्ता हथियाने का खेल खेलते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार को लोगों ने सेवा करने का मौका दिया है और वे लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि विपक्षी नेता उनकी आलोचना इसलिए करते हैं क्योंकि वे उनकी सरकार द्वारा लिए गए जनहितकारी फैसलों से जलते हैं। मुख्यमंत्री ने गर्व के साथ कहा कि राज्य के युवाओं को भ्रष्टाचार या भाई-भतीजावाद के बिना केवल योग्यता के आधार पर 54,000 से अधिक नौकरियां प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि इन नौकरियों के साथ युवाओं को पंजाब के सामाजिक-आर्थिक विकास में सक्रिय भागीदार बनाया गया है। भगवंत सिंह मान ने बताया कि सत्ता संभालने के बाद उनकी सरकार ने विधायकों को दी जाने वाली कई पेंशनों को समाप्त कर दिया, जिससे सार्वजनिक फंडों की काफी बचत हुई।

भारत बना मेडिकल टूरिज्म और फार्मा रिसर्च का वैश्विक केंद्र : ओम बिरला

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत की चिकित्सा व्यवस्था आज विश्व में अपनी गुणवत्ता, सुलभता और विश्वसनीयता के कारण नई पहचान बना रही है। वे शनिवार को नई दिल्ली में इनोवेटिव फिजिशियन फोरम (आईपीएफ) द्वारा आयोजित 7वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईपीएफ मेडिकॉन-2025 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

बिरला ने कहा कि यह विज्ञान, तकनीक और नवाचार का युग है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन और नैनो साइंस जैसे क्षेत्रों में हो रहे तीव्र विकास ने न केवल चिकित्सा अनुसंधान बल्कि उपचार की पद्धतियों को भी अधिक सटीक, प्रभावशाली और कुशल बना दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक दौर में चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर नवाचार और शोध को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

उन्होंने भारत की चिकित्सा प्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह न केवल उच्च गुणवत्ता वाली है, बल्कि किफायती और सभी के लिए सुलभ भी है। बिरला ने कहा, हमारे डॉक्टर अपनी मेहनत और विशेषज्ञता से वैश्विक स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं, इसी का परिणाम है कि आज भारत मेडिकल टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बन चुका है। दुनिया के अनेक देशों से मरीज इलाज के लिए भारत का रुख कर रहे हैं।

भारत के फार्मा सेक्टर की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अनुसंधान के प्रति प्रतिबद्धता और नवाचार की भावना ने ही भारत को फार्मास्यूटिकल और बायोमेडिकल रिसर्च के क्षेत्र में अग्रणी बना दिया है। उन्होंने वैज्ञानिकों, शोधकताओं और चिकित्सकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आप सबने स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं।

आईपीएफ मेडिकॉन-2025 सम्मेलन की सराहना करते हुए बिरला ने आशा जताई कि इन दो दिनों के विचार-विमर्श और अनुभवों के आदान-प्रदान से चिकित्सा अनुसंधान को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से आान किया कि वे मिलकर एक स्वस्थ, सशक्त और निरोगी भारत के निर्माण की दिशा में कार्य करें।

सम्मेलन में नेपाल, श्रीलंका, मलेशिया और यूनाइटेड किंगडम से आए मेडिकल प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर सांसद कमलजीत सेहरावत भी उपस्थित रहीं।

चुनाव पारदर्शिता को लेकर चुनाव आयोग गम्भीर : मुख्य चुनाव आयुक्त

एजेंसी (हि.स.)
फिरोजाबाद

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग सभी राजनीतिक दलों से लगातार संवाद कर रहा है। आयोग चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए गंभीर है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार शनिवार को फिरोजाबाद दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने एक सामाजिक कार्यक्रम में भी बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। इस दौरान उन्होंने जानकारी दी कि बीते चार महीनों में आयोग ने 5000 से अधिक बैठकें आयोजित की हैं, जिनमें 28 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ये बैठकें सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के साथ की गईं ताकि चुनाव प्रक्रिया को लेकर उनकी चिंताओं को समझा जा सके और समाधान निकाला जा सके।

बिहार की मतदाता सूची पर विपक्ष के सवालों पर मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत किसी भी पात्र मतदाता को अतिरिक्त दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 2003 की मतदाता सूची में दर्ज नामों के आधार पर ही मतदाता की पात्रता तय की जाती है और इसके लिए 31 दिन की समय सीमा में परीक्षण प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग के आदेशों और दिशा निदेर्शों को यदि ठीक से पढ़ा और समझा जाए, तो कई सवालों के जवाब स्वतः ही स्पष्ट हो जाते हैं। उन्होंने जनता और राजनीतिक दलों से अपील की कि वे आयोग की प्रक्रिया पर भरोसा रखें और आयोग का सहयोग करें। इस दौरान पुलिस व प्रशासन के आलाधिकारी मौजूद रहे।

ट्रंप की शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने झुक जाएंगे प्रधानमंत्री: राहुल

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की एक टिप्पणी को लेकर शनिवार को दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आसानी से झुक जाएंगे।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल ने शुक्रवार को कहा था कि भारत समयसीमा के आधार पर कोई व्यापार समझौता नहीं करता है और अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को तभी स्वीकार करेगा जब यह पूरी तरह अंतिम रूप ले लेगा, ठीक से संपन्न होगा और राष्ट्रहित में होगा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उनके इस बयान को लेकर एक्स पर पोस्ट किया, पीयूष गोयल जितना चाहें अपनी छाती पीट सकते हैं, मेरे शब्दों पर गौर करें, ट्रंप की शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने मोदी आसानी से झुक जाएंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से आयात होने वाले उत्पादों पर दो अप्रैल को 26 प्रतिशत का अतिरिक्त जवाबी शुल्क लगा दिया था। हालांकि, कुछ दिन बाद ही इसे 90 दिन के लिए यानी नौ जुलाई तक टाल दिया गया था। इस बीच, अमेरिका द्वारा लगाया गया 10 प्रतिशत मूल शुल्क अब भी लागू है। आगामी नौ जुलाई की समयसीमा खत्म होने के पहले भारत और अमेरिका एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिशों में लगे हुए हैं। इसके लिए दोनों पक्षों के अधिकारियों और मंत्रियों के स्तर पर कई दौर की वाताएं हो चुकी हैं।

पीएनबी धोखाधड़ी मामला : ईडी, सीबीआई के प्रत्यर्पण अनुरोध पर नीरव मोदी का भाई अमेरिका में गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

अमेरिकी अधिकारियों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के प्रत्यर्पण अनुरोधों के आधार पर भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के छोटे भाई निहाल मोदी को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमेरिकी अधिकारियों ने भारत को सूचित किया कि निहाल मोदी को शुक्रवार को हिरासत में ले लिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि मामले की सुनवाई की अगली तारीख 17 जुलाई है और उस सुनवाई में निहाल जमानत का अनुरोध कर सकता है, लेकिन अमेरिकी अभियोजक इसका विरोध करेंगे। प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई द्वारा संयुक्त रूप से किये गये प्रत्यर्पण अनुरोध पर यह कदम उठाया गया।

अमेरिकी अभियोजकों द्वारा प्रत्यर्पण की कार्यवाही दो आरोपों पर की गई, जिसमें धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 3 के तहत धन शोधन का एक मामला और दूसरा भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) व 201 (फरार होने) के तहत आपराधिक साजिश का मामला शामिल है। निहाल (46) पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े कथित 13,000 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में आरोपी है। यह मामला अब तक के सबसे बड़े धोखाधड़ी मामलों में से एक है।

धोखाधड़ी का आरोप दोनों भाइयों (नीरव और निहाल मोदी) और उनके रिश्तेदार मेहुल चोकसी पर है। सीबीआई के आरोप-पत्र के अनुसार, नीरव मोदी ने अपनी कंपनियों के माध्यम से फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग (एलओयू) जारी करके पीएनबी से लगभग 6,498 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी, जबकि शेष राशि उसके रिश्तेदार ने इसी तरह की कार्यप्रणाली से हड़प ली थी।

बेल्जियम के एंटवर्प में जन्मे और पले-बढ़े तथा अंग्रेजी, गुजराती और हिंदी में पारंगत निहाल मोदी अपने भाई नीरव मोदी की ओर से अपराध की आय को कथित रूप से वैध बनाने के लिए भारत में वांछित हैं। नीरव मोदी लंदन की जेल में बंद है और भारत में प्रत्यर्पण की कार्यवाही का सामना कर रहा है। यह आरोप लगाया गया है कि निहाल मोदी ने भारतीय वित्तीय कानूनों का उल्लंघन करते हुए फर्जी

कंपनियों के माध्यम से बड़ी मात्रा में अवैध धन को छिपाने और स्थानांतरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ंडी और सीबीआई दोनों द्वारा दायर अलग-अलग आरोप-पत्रों में उसका नाम आरोपी के रूप में दर्ज किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि ईडी के आरोप-पत्र में निहाल मोदी पर सबूत नष्ट करने और नीरव मोदी को उसके कथित अवैध कार्यों में जानबूझकर सहायता करने का आरोप लगाया गया है। ईडी ने दावा किया है कि पीएनबी घोटाला सामने आने के बाद निहाल मोदी ने नीरव मोदी के करीबी मिहिर आर भंसाली के साथ मिलकर दुबई से 50 किलोग्राम सोना और भारी मात्रा में नकदी ली और फर्जी निदेशकों को निर्देश दिया कि वे जांच अधिकारियों को उसकी पहचान न बताएं। सीबीआई द्वारा प्रस्तुत पूरक आरोपपत्र में निहाल मोदी को आरोपी संख्या 27 के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, जिसमें उन पर कथित आपराधिक साजिश को छिपाने के लिए दुबई में सबूत नष्ट करने का आरोप लगाया गया है। भारतीय प्राधिकारियों के अनुरोध पर इंटरपोल ने निहाल मोदी के विरुद्ध रेड नोटिस जारी किया तथा उसे सार्वजनिक कर दिया, ताकि उसे ढूंढने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्राप्त किया जा सके।

रेड नोटिस, इंटरपोल द्वारा जारी एक अंतरराष्ट्रीय अनुरोध है, जिसका उद्देश्य किसी व्यक्ति का पता लगाना और उसे गिरफ्तार करना है, ताकि प्रत्यर्पण, आत्मसमर्पण या अन्य कानूनी कार्यवाही की जा सके। निहाल मोदी ने नोटिस के खिलाफ इंटरपोल फाइल्स नियंत्रण आयोग (सीसीएफ) के समक्ष अपील की थी, लेकिन सीबीआई द्वारा विस्तृत खंडन प्रस्तुत करने के बाद उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। सीबीआई ने निहाल मोदी पर नीरव मोदी द्वारा धोखाधड़ी वाले व्यापार को वैधता प्रदान करने के लिए इस्तेमाल की गई दुबई स्थित फर्जी कंपनियों के निदेशकों को धमकाने का आरोप लगाया है।

इन व्यक्तियों को दुबई से काहिरा स्थानांतरित होने के लिए कथित तौर पर मजबूर किया गया और इस दौरान सबूत मिटाने के लिए उनके फोन, लैपटॉप और कंप्यूटर सर्वर नष्ट कर दिए गए। नीरव मोदी की कंपनियों के कर्मचारियों, इन व्यक्तियों को दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए कथित तौर पर मजबूर किया गया था, जिसमें उन्हें दुबई और हांगकांग स्थित कंपनियों का वास्तविक मालिक बताया गया था। इन संस्थाओं को नीरव मोदी द्वारा नियंत्रित तीन फर्म - डायमंड्स आर अस, सोलर एक्सपोर्ट्स और स्टेलर डायमंड्स - के साथ वैध निर्यात-आयात लेनदेन में संलग्न बताया गया।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने झंडी दिखाकर रवाना की 20 ई टैक्सियां, युवाओं को मिलेगा स्वरोजगार का मौका

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश सचिवालय परिसर से राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्टअप योजना (आरजीएसएसवाई) के तहत 20 ई-टैक्सियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह योजना राज्य सरकार की पर्यावरण हितैषी सोच और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के अंतर्गत पात्र युवाओं को ई-टैक्सी खरीदने के लिए कुल लागत का 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। अब तक 59 युवाओं को 4.22 करोड़ रुपये की सब्सिडी वितरित की जा चुकी है, जबकि 61 अन्य लाभार्थियों को शीघ्र ही सब्सिडी दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस योजना से प्रदेश के युवाओं को स्थायी आय का स्रोत मिल रहा है और उन्हें सरकारी कार्यालयों से जोड़कर पांच वर्षों के लिए निश्चित आय सुनिश्चित की जा रही है। इसके अलावा, योजना में दो साल के विस्तार का भी प्रावधान है, जिससे लंबे समय तक स्वरोजगार की निरंतरता बनी रह सकेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस पहल से राज्य का वित्तीय बोझ घटाने में मदद मिलेगी।

ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए सरकार नीतियां बना रही है। जलवायु परिवर्तन के खतरों को देखते हुए ई-वाहनों और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों को बढ़ावा देना समय की मांग है। ई-टैक्सियों को बढ़ावा देना इसी नीति का हिस्सा है, जो प्रदूषण कम करने में सहायक होगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार युवाओं को न केवल सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर दे रही है, बल्कि उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित भी कर रही है। राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम के माध्यम से विदेशों में बेहतर वेतन वाले रोजगार के अवसर भी तलाशे जा रहे हैं। अब निगम को भर्ती एजेंसी के रूप में लाइसेंस मिल चुका है और वह विभिन्न देशों के महावाणिज्य दूतावासों से समझौते कर सकेगा। इससे हिमाचल के युवाओं को विदेशों में सुरक्षित और सम्मानजनक रोजगार प्राप्त करने का मार्ग खुलेगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार के सतत प्रयासों से शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में भी सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। हाल ही में शिक्षा के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर 21वें स्थान से छलांग लगाकर 5वां स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के मेडिकल कॉलेजों में एम्स दिल्ली की तर्ज पर अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित कर रही है ताकि आमजन को बेहतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध हो सके।

थुनाग त्रासदी : हॉर्टिकल्चर कॉलेज के दो छात्रों ने जान पर खेल कर बचाई अनमोल जिंदगियां

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

हिमाचल प्रदेश में बरसात की दस्तक के साथ ही पहाड़ दरकने, बादल फटने और जानमाल के नुक्सान का सिलसिला शुरू हो गया है। जिसका असर सबसे अधिक इस बार मंडी जिला में हुआ है। बीते 30 जून की रात और पहली जुलाई की सुबह भारी बारिश के चलते बाढ़ और बादल फटने की अनेक घटनाएं हुई है। इसी कड़ी में मंडी जिला के सराज क्षेत्र के थुनाग उपमंडल के थुनाग स्थित बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय के करीब डेढ़ सौ से अधिक छात्र इस त्रासदी में फंसे हुए थे। जिन्होंने रात के अंधेरे में बड़ी मुश्किल से इधर-उधर भाग कर अपनी जान बचाई। लेकिन इनमें दो ऐसे छात्र भी थे जिन्होंने भाग कर अपनी जान बचाने के बजाय। अपनी जान को जोखिम में डालकर कालेज की प्राध्यापिका और उनके परिवार को सुरक्षित बाहर निकालने का साहसिक कारनामें को अंजाम दिया। इन दो छात्रों में एक मंडी जिला के सरकाघाट क्षेत्र का साहिल ठाकुर जो सरकाघाट क्षेत्र के काश गांव से संबंध रखता है और दूसरा छात्र रोनित जो जिला सिरमौर का निवासी है।

इस त्रासदी के प्रत्यक्षदर्शी छात्र साहिल ने बताया की 30 जून की रात जब वे खाना खाने के बाद सोने की तैयारी में थे, तभी मकान मालिक ने उन्हें सूचना दी कि कहीं दूर डेजी गांव में थुनाग से 8 किलोमीटर पहले बादल फटा है और भारी मात्रा में मलवा और पानी थुनाग क्षेत्र की तरफ आ रहा है। सूचना मिलते ही सबसे पहले उन्होंने अपने कॉलेज के छात्रों और हॉस्टल में रह रही छात्राओं को फोन कर सूचित किया और उन्हें तुरंत सुरक्षित स्थानों की ओर भाग जाने को कहा। इसी दौरान देखते-देखते ही पूरा थुनाग बाजार पानी से लबालब भर गया। वे दोनों भी सुरक्षित जगह की तलाश में बिल्डिंग के छत पर चढ़ गए। इसी दौरान उन्होंने देखा कि कई लोग मोबाइल के सहारे फ्लैशलाइट जलाकर मदद मांग रहे थे। यह देखकर साहिल और रोनित ने तुरंत जाकर तीन-चार लोगों को जो पानी में डूब चुके थे सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद उन्होंने देखा की कोर्ट के भवन में मोबाइल की रोशनी जगमगा रही थी, जिसमें उन्हें कॉलेज की शिक्षक कल्पना ठाकुर उनके पति और एक छोटा सा बच्चा पूरी तरह से पानी में फंसे हुए थे। वे दोनों गर्दन तक पानी में डूबने लगे थे, उन्होंने अपने नन्हें बच्चों को हाथों पर ऊपर उठा कर रखा था। तभी साहिल और रोनित अपनी जान की परवाह न करते हुए पानी में उन्हें बचाने दौड़ पड़े। दोनों ने बड़ी मुश्किल से उन तीनों को सुरक्षित पानी से बाहर निकाल लिया।

उन्होंने बताया कि उस समय हमें सिर्फ लोगों की जिंदगियां नजर आ रही थी, जो पानी में डूब रहे थे। इसलिए हमने उनकी जान बचाने के लिए अपनी जान की परवाह नहीं की। हम किसी को अपनी आंखों के सामने मरता हुआ नहीं देख सकते थे। हमने कोशिश की और भगवान ने साथ दिया और हम उन्हें बचाने में कामयाब हुए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद नाहन पहुंचे बिंदल, कार्यकताओं से की मुलाकात

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

हिमाचल प्रदेश भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल शुक्रवार को अपने गृह क्षेत्र नाहन पहुंचे जहां पार्टी कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। नाहन भाजपा कार्यालय में इस अवसर पर एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक में शिमला संसदीय क्षेत्र से सांसद सुरेश कश्यप, पांवटा साहिब से विधायक सुखराम चौधरी, पच्छाद से विधायक रीना कश्यप सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता मौजूद रहे। बैठक के उपरांत मीडिया से बातचीत करते हुए डॉ. बिंदल ने प्रदेश के मंडी क्षेत्र में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह समय राजनीति का नहीं, बल्कि पीड़ितों के साथ खड़े होने का है और भाजपा इस संकट की घड़ी में पूरी तरह से लोगों के साथ है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने निर्णय लिया है कि 1500 राशन किट, जिनमें आटा, चावल, दाल, तेल, मोमबत्तियां व अन्य आवश्यक सामग्री शामिल है, प्रभावित क्षेत्रों में भेजी जाएंगी, जिनमें से 100 किटें आज ही रवाना की जा रही हैं। इसके अलावा, जरूरत के अनुसार दवाइयां और कपड़े भी भेजे जाएंगे। डॉ. बिंदल ने राज्य सरकार पर आपदा प्रबंधन को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि राहत और बचाव कार्यों में तत्परता नहीं दिखाई गई, जबकि कई सड़कें समय रहते खोली जा सकती थीं। फिर भी उन्होंने यह स्पष्ट किया कि भाजपा इस मुश्किल समय में सरकार के साथ खड़ी है और हरसंभव सहयोग देने को तैयार है। उन्होंने कहा कि जहां लोग राहत कैंपों में रह रहे हैं, वहां भाजपा की ओर से एक बड़ी सामुदायिक रसोई (मैस) खोलने की योजना भी बनाई जा रही है ताकि प्रभावित लोगों को भोजन की समस्या न हो। राजनीतिक सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए बिंदल ने कहा कि भाजपा 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए तैयार है, लेकिन अगर उससे पहले सरकार नहीं चल पाती, तब भी पार्टी पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य केवल चुनावी लाभ नहीं, बल्कि जनता को राहत और स्थायीत्व देना है, जो आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

हिमाचल में मानसून बना कहर
15 दिनों में 72 मौतें, 37 लापता

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में मानसून सीजन 2025 ने एक बार फिर तबाही की कहानी लिख दी है। 20 जून से 4 जुलाई तक केवल 15 दिनों में 72 लोगों की जान चली गई, 113 लोग घायल हुए और 37 पिछले कई दिनों से लापता हैं। इस अवधि में हुई बारिश, भूस्खलन, बादल फटने, फ्लैश फ्लड, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य प्राकृतिक आपदाओं ने प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में अब तक 541 करोड़ से अधिक की संपत्ति और जनधन का नुकसान हो चुका है।

इस मानसून के दौरान सबसे ज्यादा तबाही मंडी जिल में हुई है। अकेले मंडी में 20 लोगों की मौत दर्ज की गई, जिनमें 14 मौतें बादल फटने से हुईं। वहीं कांगड़ा में कुल 13 की जान गई, जिनमें 7 मौतें भूस्खलन और 2 मौतें बादल फटने के चलते हुईं।

प्रदेश भर में बादल फटने से 14 और फ्लैश फ्लड व पानी के तेज बहाव में बहने से 8-8 मौतें हुई हैं। कई स्थानों पर मकान, पुल, सड़कें, गऊ सदन, पशुशालाएं, गोशालाएं, दुकानें और निजी वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। सबसे ज्यादा तबाही मंडी जिला में हुई, जहां 30 जून को एक ही रात बादल फटने की लगभग 12 घटनाएं सामने आईं। आंकड़ों के मुताबिक इस मानसून सीजन में 19 कच्चे-पक्के मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गए जबकि 82 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं।

संक्षिप्त-समाचार

हिमाचल प्रदेश में राशन वितरण के लिए शुरू हुई फेस ऑथेंटिकेशन प्रणाली, देश का पहला राज्य बना

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में डिजिटल नवाचार को अपनाते हुए आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन प्रणाली की शुरूआत कर दी है। इस पहल के साथ हिमाचल प्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है, जिसने राशन वितरण के लिए चेहरे की पहचान आधारित तकनीक को अपनाया है। मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (नवाचार, डिजिटल तकनीक एवं शासन) गोकुल बुटेल ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में डिजिटल शासन व नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है और यह पहल राज्य सरकार की ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका को दशार्ती है। उन्होंने बताया कि इससे पहले राशन लाभार्थियों का सत्यापन ओटीपी या बायोमेट्रिक तरीके से किया जाता था। इन पारंपरिक तरीकों में एसएमएस की डिलीवरी की असफलता, फिंगरप्रिंट या आंखों की स्कैनिंग में गड़बड़ी तथा यूआईडीएआई डाटा से मिलान की दिक्कतें आम थीं, जिससे लाभार्थियों को समय पर राशन मिलने में बाधाएं आती थीं। उ

मंडी के आपदा प्रभावित इलाकों में एक हजार राशन किटें भेजेगी भाजपा : राजीव बिंदल

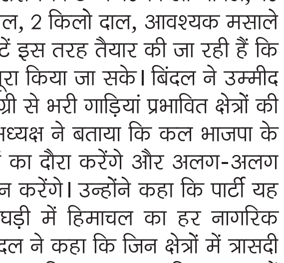

शिमला। भारी बारिश से तबाह हुए मंडी जिले के प्रभावित क्षेत्रों की मदद के लिए भारतीय जनता पार्टी ने राहत अभियान तेज कर दिया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने शनिवार को बताया कि भाजपा राज्य के सभी जिलों से राशन किटें एकत्र करेगी और अगले 48 घंटों में एक हजार किटें मंडी जिले के प्रभावित क्षेत्रों को भेजने का प्रयास किया जा रहा है। डॉ. बिंदल ने कहा कि मंडी जिले के सिराज, करसोग, नाचन और धर्मपुर विधानसभा क्षेत्रों में भारी बारिश के चलते जान-माल, सड़क, बिजली और पानी की आपूर्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। सिराज क्षेत्र में सबसे ज्यादा तबाही हुई है। उन्होंने कहा कि इस प्राकृतिक आपदा को लेकर भाजपा बेहद चिंतित है और पीड़ित परिवारों की हरसंभव सहायता के लिए कटिबद्ध है। न्होंने बताया कि प्रत्येक राशन किट में 10 किलो चावल, 10 किलो आटा, 1 किलो नमक, 1 लीटर तेल, 2 किलो दाल, आवश्यक मसाले और मोमबत्तियां शामिल होंगी। यह किटें इस तरह तैयार की जा रही हैं कि एक परिवार की तत्काल जरूरतों को पूरा किया जा सके। बिंदल ने उम्मीद जताई कि आज शाम से ही राहत सामग्री से भरी गाड़ियां प्रभावित क्षेत्रों की ओर रवाना हो जाएंगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने बताया कि कल भाजपा के नेता सिराज, नाचन और करसोग क्षेत्रों का दौरा करेंगे और अलग-अलग स्थानों पर जाकर नुकसान का आंकलन करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि इस त्रासदी की घड़ी में हिमाचल का हर नागरिक प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा रहे। बिंदल ने कहा कि जिन क्षेत्रों में त्रासदी हुई है, वे हमारे अपने परिवारों जैसे हैं। पूरा हिमाचल इस कठिन समय में उनके साथ है।

पुंछ में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़, हथगोले और गोला-बारूद बरामद

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ के उपजिला सुरनकोट में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड कर हथगोले, गोला-बारूद समेत अन्य सामग्री बरामद की है। यह बरामदगी बेहरामगला के पास मरहा इलाके में की गई जहां पुलिस और सेना की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान के दौरान एक आतंकवादी ठिकाने का पता लगाया। अधिकारियों के मुताबिक आतंकी ठिकाने की तलाशी में तीन हथगोले, बीस गोलियां, वायर कटर, चाकू, चार्जिंग केबल और बैटरी जब्त की गई। तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

हिमाचल में 2592 करोड़ की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं निमार्णाधीन, 2027 तक पूरे होंगे कार्य : जेपी नड्डा

एजेंसी (हि.स.)
बिलासपुर

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को बिलासपुर में कहा कि हिमाचल प्रदेश में 2592 किलोमीटर के 25 राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण प्रगति पर है। इन परियोजनाओं की कुल लागत 2592 करोड़ है। इनमें से 785 किलोमीटर की सड़कें नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया, 1238 किलोमीटर की सड़कें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और 569 किलोमीटर की सड़कें बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन द्वारा बनाई जा रही हैं।

नड्डा ने बताया कि इन परियोजनाओं में से अधिकांश कार्य वर्ष 2026 और 2027 तक पूरे हो जाएंगे जबकि कुछ परियोजनाएं 2028 तक पूरी होंगी। कीरतपुर-मनाली कॉरिडोर के लिए 7667 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जिसमें 12 टनल बनाई जाएंगी जिनकी कुल लंबाई 11.51 किलोमीटर होगी। इसी कॉरिडोर की कुल परियोजना लागत 9452 करोड़ है जिसमें 28 सुरंगें बनेंगी जिनकी कुल लंबाई 41 किलोमीटर होगी। इसके अलावा शिमला-मटौर मार्ग पर 10208 करोड़ खर्च किए जाएंगे, जिसमें 15 सुरंगों का निर्माण होगा जिनकी कुल लंबाई 13.41 किलोमीटर होगी। पठानकोट-मंडी मार्ग पर 1088 करोड़ खर्च किए जाएंगे और इसमें 13 सुरंगें बनेंगी जिनकी कुल लंबाई 10 किलोमीटर होगी। स्पष्ट किया कि यह लंबाई केवल सुरंगों की है, और इनका निर्माण राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यातायात को सुगम और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। बताया कि वह हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री को दो महत्वपूर्ण विषयों पर पत्र लिखेंगे और चर्चा भी करेंगे। पहला विषय यह है कि एनएचएआई के अस्थायी कार्यों को उद्योग की श्रेणी से बाहर किया जाए ताकि क्रेशर, हॉट मिक्स प्लांट और तारकोल पिघलाने वाली मशीनों को हर साल राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने की आवश्यकता न पड़े। दूसरा विषय व्यास नदी क्षेत्र में ड्रेजिंग कार्य को लेकर है, जिस पर उन्होंने कहा कि यह पर्यावरण और सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है और इस पर प्रदेश सरकार को शीघ्र निर्णय लेना चाहिए। सुमदो-काजा सड़क को 2024 में स्वीकृति मिल चुकी है और इसका निर्माण बीआरओ कर रही है लेकिन राज्य सरकार अब तक इस परियोजना के लिए वन विभाग की मंजूरी नहीं दे सकी है, जिससे निर्माण कार्य में देरी हो रही है। बिलासपुर जिले को लेकर बताया कि घुमारवीं-शाहतलाई सड़क के उन्नयन के लिए 35 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं और यह कार्य सीआईएफ द्वारा करवाया जाएगा। सड़क को पूरी तरह

जम्मू-कश्मीर में भीषण गर्मी जारी, तापमान लगातार तोड़ रहा दशकों पुराने रिकॉर्ड

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

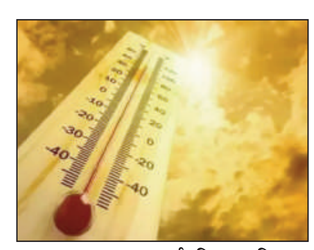

जम्मू-कश्मीर में भीषण गर्मी जारी है और तापमान लगातार दशकों पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा है जिससे पूरे केंद्र शासित प्रदेश में किसान परेशान हैं। कश्मीर मौसम द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार राजधानी श्रीनगर में 24.5 डिग्री सेल्सियस तापमान जुलाई में चौथा सबसे अधिक न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

श्रीनगर में सबसे अधिक न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस 1 जुलाई 1988 को दर्ज किया गया था। 2 जुलाई 2024 को शहर में दर्ज किया गया दूसरा सबसे अधिक न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस है और तीसरा सबसे अधिक न्यूनतम तापमान जो 24.6 डिग्री सेल्सियस है, 2024 में 28 जुलाई को भी यही दर्ज किया गया था।

कश्मीर मौसम के अनुसार 23.4 डिग्री सेल्सियस पर काजीगुंड ने जुलाई में अपना अब तक का सबसे अधिक न्यूनतम तापमान दर्ज किया। पिछला रिकॉर्ड 18 जुलाई 1997 को दर्ज किया गया 22.8 डिग्री सेल्सियस था

दक्षिण कश्मीर में स्थित प्रमुख पर्यटक रिसॉर्ट पहलगाम ने 20.0 डिग्री सेल्सियस पर जुलाई में अपना दूसरा सबसे अधिक न्यूनतम तापमान दर्ज किया। पहला सबसे अधिक न्यूनतम तापमान 30 जुलाई 2013 को दर्ज किया गया 20.2 डिग्री सेल्सियस है और तीसरा सबसे अधिक न्यूनतम तापमान 19.7 डिग्री सेल्सियस 26 जुलाई 2021 को दर्ज किया गया था। दक्षिण कश्मीर के कोकरनाग में 21.8 डिग्री सेल्सियस पर इस साल जुलाई में अपना दूसरा सबसे अधिक न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

भगवान शिव के आशीर्वाद से सभी भक्त सुरक्षित है: उपराज्यपाल

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

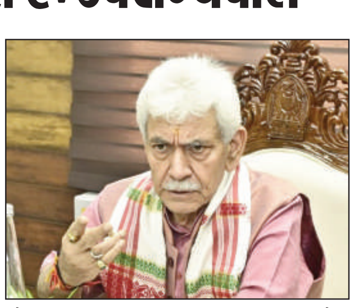

चंद्रकोट में एक छोटी सी दुर्घटना हुई जब पहलगाम जाने वाला एक वाहन ब्रेक फेल होने के कारण अन्य स्थिर वाहनों से टकरा गया। 36 तीर्थयात्रियों को मामूली चोटें आईं। प्रारंभिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई और अब वह पवित्र गुफा के लिए रवाना हो गए हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि भगवान शिव के आशीर्वाद से सभी भक्त सुरक्षित हैं।

उपराज्यपाल ने कहा कि हमारी प्राथमिकता सभी तीर्थयात्रियों की सुरक्षा है। संबंधित अधिकारियों को श्री अमरनाथ जी यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के वाहनों के लिए व्यापक सुरक्षा उपायों को लागू करने और सभी प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा जांच सुनिश्चित करने और यात्रा मार्ग पर भोजन और दवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

इससे पहले उपराज्यपाल ने घायल तीर्थयात्रियों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए जम्मू के डिवीजनल कमिश्नर रमेश कुमार और रामबन के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद अलयास खान से बात की थी। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को अलर्ट रहने और तीर्थयात्रियों की परेशानी मुक्त यात्रा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा था। उपराज्यपाल ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य अधिकारियों की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना भी की।

मैक्लोडगंज में शुरू हुआ दो दिवसीय जन्मदिवस समारोह

आपकी प्रार्थनाओं का फल मिला, अभी 30 से 40 साल और जिऊंगा : दलाई लामा

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा तेंजिन ग्यात्सो ने कहा की कई भविष्यवाणियों को देखते हुए, मुझे लगता है कि मुझ पर अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद है। मैंने अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। मुझे उम्मीद है कि मैं अभी 30 से 40 साल और जीऊंगा। धर्मगुरु ने कहा कि आपकी प्रार्थनाओं का अब तक फल मिला है और आगे भी इसी तरह मिलता रहेगा। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने यह बात उनके 90वें जन्मदिन से एक दिन पूर्व शनिवार को आयोजित प्रार्थना सभा को संबोधित करते हुए कही।

दलाई लामा के 90वें जन्मदिवस को लेकर शनिवार से दो दिवसीय समारोह शुरू हो गया है। समारोह के पहले दिन शनिवार सुबह मैक्लोडगंज के मुख्य तिब्बती मंदिर चुगलाखांग में उनकी लंबी उम्र के लिए दो दिवसीय धार्मिक प्रार्थना सभा शुरू हुई। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन सीटीए द्वारा धर्मगुरु दलाई लामा की लंबी उम्र के लिए इस प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया है।

बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने कहा कि हालांकि हमने अपना देश खो दिया है और हम भारत में निर्वासन में रह रहे हैं, लेकिन यहीं मैं जीवों को काफी लाभ पंहुचाने में सक्षम रहा हूं। मैं जितना हो सके जीवों को लाभ पंहुचाने और उनकी सेवा करने का इरादा रखता हूं। तिब्बती आध्यात्मिक नेता ने तिब्बती लोगों की ओर से केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) द्वारा उन्हें दी गई ₹दीघार्यु प्रार्थना₹ के लिए अपने सभी अनुयायियों के आभार जताया।

प्रार्थना सभा में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता और तिब्बत समर्थक रिचर्ड गेरे समेत कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। इस दौरान विभिन्न संप्रदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले तिब्बती मूल के बौद्ध धार्मिक नेताओं ने भी भाग लिया और दलाई लामा को प्रार्थनाएं अर्पित कीं।

इससे पूर्व दलाई लामा सुबह करीब 9:45 बजे अपने आवास से गोल्फ कार्ट से मुख्य बौद्ध मठ चुगलाखांग पहुंचे। उम्र संबंधी कमजोरी के कारण दो सहायकों ने उनकी सहायता की। फिर भी, वे प्रसन्न दिखाई दिए और अपने लंबे जीवन के लिए प्रार्थना करने के लिए एकत्र हुए लोगों का अभिवादन करने और उन्हें आशीर्वाद देने के लिए कई बार रुके।

जॉर्जियाई कैलेंडर के अनुसार दलाई लामा का 90वां जन्मदिन 6 जुलाई को है, जबकि तिब्बती कैलेंडर के अनुसार यह उत्सव बीते 30 जून से शुरू हो गया है। इस बार उनके जन्मदिन के उत्सव को खास तौर पर धार्मिक प्रार्थनाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जा रहा है।

धर्मगुरु दलाई लामा के 90वें जन्मदिवस पर मैक्लोडगंज में तिब्बती समुदाय से ही करीब 10 हजार लोगों के जुटने की संभावना है। इसके अलावा वीआईपी सहित अन्य लोगों के भी मैकलोडगंज पहुंचने की उम्मीद है। ऐसे में खासकर ट्रैफिक और सुरक्षा की दृष्टि से जिला पुलिस कांगड़ा ने भी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

एसएसपी कांगड़ा शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि दो दिनों तक चलने वाले इस समारोह के दौरान 10 हजार से अधिक लोगों के मैक्लोडगंज धर्मशाला में जुटने की जानकारी है, जिसके चलते ट्रैफिक व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर के रामबन में पांच बसों की आपस में टक्कर, 36 अमरनाथ यात्री घायल

रामबन। रामबन जिले में शनिवार को पांच बसों के आपस में टकरा जाने से कम से कम 36 अमरनाथ तीर्थयात्री मामूली रूप से घायल हो गए। ये बसें जम्मू के भगवती नगर से दक्षिण कश्मीर के पहलगाम बेस कैंप की ओर जा रहे काफिले का हिस्सा थीं। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब 8 बजे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चंद्रकूट के पास हुई। उन्होंने बताया कि टक्कर काफिले में शामिल बसों में से एक के ब्रेक फेल होने के कारण हुई। रामबन के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद अलयास खान ने बताया कि पहलगाम काफिले के आखिरी वाहन ने नियंत्रण खो दिया और चंद्रकोट लंगर स्थल पर फंसे वाहनों को टक्कर मार दी जिससे चार वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और 36 यात्री मामूली रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर पहले से मौजूद सरकारी अधिकारियों ने घायलों को रामबन जिला अस्पताल पहुंचाया। कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घायलों के इलाज की निगरानी के लिए अस्पताल का दौरा किया और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सर्वोत्तम देखभाल सुनिश्चित करने

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों ने किया नई और पुरानी संसद का भ्रमण

लोकसभा अध्यक्ष ने किया जनता से सीधा संवाद करने के लिए प्रेरित

संवाददाता
चंडीगढ़

देश भर से आए नगर पालिका, नगर परिषद के पार्षद और अध्यक्षों के 30 से अधिक प्रतिनिधियों ने आज नई दिल्ली में पुरानी और नई संसद का भ्रमण किया और म्यूजियम भी देखा।

इस अवसर पर उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से सीधा संवाद किया और उनके विचार सुने। अधिकांश प्रतिनिधियों ने गुरुग्राम में हुए दो दिवसीय सम्मेलन जैसे सम्मेलन बार-बार करने और सबसे बड़ी पंचायत को देखने का अवसर दिलाने का भी अनुरोध किया। देश में पहली बार ऐसा नगरीय सम्मेलन करवाने पर उन्होंने हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष का भी विशेष रूप से आभार जताया और सम्मेलन में ग्रहण किए गए अनुभव साझा किए। कई पदाधिकारियों ने नगरीय परिषदों में भी अध्यक्ष की तर्ज पर पद बनाने और अलग से बजट जारी करने का भी अनुरोध किया।

इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने उक्त प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे यहां से अपने क्षेत्र की जनता से सीधा संवाद करने और उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने का संकल्प लेकर जाएं। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण एवं उपाध्यक्ष कृष्ण लाल मिढ्ढा भी मौजूद रहे। लोक सभा अध्यक्ष ने सभी प्रतिनिधियों का ऐतिहासिक संविधान सदन में पहुंचने पर आभार जताते हुए कहा कि यह सदन आजादी के स्वतन्त्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों के बलिदान से हस्तांतरण हुआ। इसके बाद बाबा साहेब के नेतृत्व में विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का संविधान बनाने की प्रक्रिया का भी यह सदन साक्षी रहा है। उन्होंने कहा कि यह सदन देश को आगे बढ़ाने और संविधान में मिले अधिकारों और दायित्वों को निभाने का भी साक्षी बना है। उन्होंने कहा कि नए भारत के निर्माण के साथ-साथ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रेरणा देने की प्रेरणा भी क्रातिकारियों से ही मिली है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश भर के नगरीय प्रतिनिधियों का यह सम्मेलन स्थानीय शासन को और अधिक बल देगा। लोकतंत्र की सबसे मजबूत कड़ी शहरी निकाय के प्रहरी होते हैं। उन्हें उम्मीद है कि वे इस सम्मेलन से नई प्रेरणा और ऊर्जा लेकर जाएंगे। इसके साथ ही सम्मेलन में लिया गया अनुभव, प्रशिक्षण, नवाचार, विचार और किया गया मंथन, अनुभव का लाभ अपने क्षेत्र की जनता को देंगे। सभी प्रतिनिधियों ने दो दिवसीय सम्मेलन को लेकर हरियाणा सरकार की मेजबानी की भी भूरी-भूरी प्रशंसा की।

बिना भूमि वाले बेरोजगार युवा खुम्बी उत्पादन और मधुमक्खी पालन करके शुरू कर सकते हैं खुद का व्यवसाय: डॉ. रणबीर सिंह

संवाददाता
लाडवा

बागवानी विभाग के महानिदेशक डॉ. रणबीर सिंह ने कहा कि बेरोजगार युवक बिना भूमि के भी खुम्बी उत्पादन और मधुमक्खी पालन करके खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। ऐसा करके वह दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। स्टार्टअप के लिए सरकार द्वारा सब्सिडी का प्रावधान किया हुआ है। बागवानी विभाग के महानिदेशक डा. रणबीर सिंह शनिवार को उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र लाडवा में आयोजित 7वें फल उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने किसानों द्वारा लगाए गए स्टॉलो पर जाकर उत्पादों की जानकारी ली। इसके अलावा प्रदर्शनी में लगाए गए हरियाणा, यूपी और पंजाब से आए आमों के बारे में जाना। केंद्र परिसर में महानिदेशक डॉक्टर रणवीर सिंह ने पौधा रोपण भी किया। इस दौरान केंद्र के उपनिदेशक डॉ. राकेश कुमार भी साथ रहे। महानिदेशक डा. रणवीर सिंह ने कहा कि यह तीन दिवसीय आयोजन किसानों के लिए फसलों की विभिन्न किस्म और उनको पैदा करने की तकनीक जानने का एक सुनहरा अवसर है। बागवानी की खेती करने के दौरान किसानों को जो भी दिक्कत, परेशानी व समस्या आ रही हैं, वह केंद्र द्वारा लगाए गए स्टालों पर जाकर अपने सवालों का जवाब प्राप्त करें। नई तकनीक की जानकारी के बाद किसान अपनी आमदन को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बागवानी में बागों के अलावा मसाले, फल, सब्जी, मधुमक्खी पालन जैसे अन्य कामों को भी शामिल किया गया है। किसानों को इन विकल्पों को अपनाना चाहिए। सरकार द्वारा किसान के सहयोग के लिए अनुदान की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि खेती करने के साथ-साथ मशीनरी की खरीदारी के लिए भी किसानों को अनुदान दिया जाता है। किसान किसी भी समय कृषि विभाग, बागवानी विभाग व अन्य कार्यालय में जाकर जानकारी हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि लगातार जमीन की ज्योत कम होती जा रही है, ऐसे में किसानों को विकल्प अपनाने की जरूरत है। इसके लिए नेट हाउस लगाकर खेती की जा सकती है। पानी की बचत के लिए सरकार के द्वारा जारी कार्यक्रम को अपनाया जा सकता है। उन्होंने किसानों को कहा कि इस मेले में कई प्रकार के टेक्नोलॉजी के बारे में स्टाल लगाए गए हैं, यहां पर लगे सभी स्टालों पर किसानों को जाकर जानकारी हासिल करनी चाहिए। यदि किसान स्टालों पर जाकर बातचीत करेंगे तो उन्हें यहां से कुछ ना कुछ सीखने को जरूर मिलेगा। इस मौके पर फल केंद्र के उपनिदेशक डा. राकेश कुमार, जिला लुधियाना अधिकारी डॉक्टर सिवेंदु प्रताप सिंह सोलंकी, विशेषज्ञ डा. धर्मपाल सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

हिंदी हमारी राष्ट्र भाषा है और हिंदी सारे देश के प्रांतों को जोड़ने का एक सूत्र है: विज

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने महाराष्ट्र भाषा विवाद पर ठाकरे बंधुओं से सीधा सवाल करते हुए पूछा कि हमारी गीता संस्कृत में लिखी है और कुरान अरबी भाषा में लिखी है तो क्या महाराष्ट्र में कोई गीता और कुरान नहीं पढ़ सकता।

मीडिया कर्मियों से बातचीत के दौरान ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने ठाकरे बंधुओं से सवाल किया कि क्या इस भाषा विवाद के चलते अब ठाकरे बंधु वहां के मंदिर और मस्जिदें बंद करवाएंगे। उन्होंने कहा कि यह लोग जिस तरह की गुंडागर्दी कर रहे हैं व लोगों को मार रहे है इससे तो यह साफ जाहिर होता है कि ये लोग अब मंदिर और मस्जिदों में जाकर भी गुंडागर्दी करेंगे। श्री विज ने कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्र भाषा है और हिंदी सारे देश के प्रांतों को जोड़ने का एक सूत्र है। हिंदी हमारे संघीय ढांचे को मजबूत रखने का भी काम करती है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेशी दौरे पर जाने व मणिपुर नहीं जाने के सवाल पर पलटवार करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि हमारे देश के विदेशों से संबंध होंगे तो उतना ही व्यापार बढ़ेगा, द्विपक्षीय संबंध मजबूत होंगे व देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। जहां तक मणिपुर की बात है वहां पर गृहमंत्री अमित शाह गए और उन्होंने मीटिंग ली और उन्होंने ही नरेंद्र मोदी के निदेर्शानुसार गतिविधियां की और स्थितियों को संभाला।

फल मेला में उत्पादों का प्रदर्शन और अपनी संस्कृति, परंपरा को दर्शाया: कैलाश सैनी

संवाददाता
लाडव

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशों पर लाडवा विधानसभा के प्रोजेक्ट पर तेजी से चल रहा है काम
- मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र लाडवा में आयोजित 7वें फल उत्सव में पहुंचे

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि फल मेले का आयोजन एक रोमांचक और किसानों को आकर्षक अनुभव दे रहा है। मेला में उत्पादों का प्रदर्शन करने के साथ साथ अपनी संस्कृति, परंपरा को दशार्या गया हैं। इससे किसान को अपनी फसलों को तकनीक के साथ पैदावार लेने की जानकारी मिलती है, वहीं आमजन को अपने भोजन में शामिल किए जाने वाली किस्मों की जानकारी मिलती है।

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी शनिवार को उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र लाडवा में आयोजित 7वें फल उत्सव में पहुंचे थे। उन्होंने प्रदर्शनी का भ्रमण कर फलों की सभी किस्मों की जानकारी हासिल की। इस दौरान फल केंद्र लाडवा के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. राकेश कुमार, डॉ. धर्मपाल, डॉ. एसपीएस सोलंकी साथ रहे।

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के आमों और अन्य फलों शामिल किया गया। इसमें किसान अपनी उपज का प्रदर्शन करने के लिए शामिल हुए। मेले में विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों के स्टॉल लगाए गए हैं, इनमें कई व्यंजनों को शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों ने कार्यक्रम के दौरान फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि फल मेला से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद करेगा। मेला समुदाय की एकता और सहयोग को बढ़ावा देने में मदद करेगा, क्योंकि लोग एक साथ आते हैं और साझा गतिविधियों में भाग लेते हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा विधानसभा में आला अधिकारियों की बैठक में लम्बित पड़े प्रोजैक्ट पर तेजी से काम करने के सख्त आदेश दिए थे। इन आदेशों के बाद लाडवा विधानसभा में जल्द ही एसडीएम काम्पलैक्स, पीडब्ल्यूडी लोक निर्माण विभाग का विश्राम गृह, गांव डीग में पीएचसी, लाडवा में राजकीय वैटनरी अस्पताल, गांव बीड कालवा, गांव ध्यांगला और गांव मंगौली जाटान में राजकीय वैटनरी डिस्पेंसरी के भवनों का निर्माण कार्य शुरू होगा। इसके साथ ही गांव सोंटी, गांव खानपुर कोलिया, गांव भगवानपुर, गांव बण, गांव भैणी, गांव सुनारियां और गांव बणी में सब हैल्थ सेंटर के भवनों का निर्माण कार्य किया जाएगा। यह सभी प्रोजैक्ट पाइप लाइन में है और इन प्रोजैक्ट पर लगभग 55 करोड़ रुपए का बजट खर्च होगा।

संक्षिप्त-समाचार

श्रम विभाग की 10 सेवाएं राइट टू सर्विस के दायरे में

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने श्रम विभाग की दस प्रमुख सेवाओं को हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 के अंतर्गत अधिसूचित किया है। मुख्य सचिव डॉ. अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की गई है। अब ठेका श्रम (विनियमन और उत्पादन) अधिनियम, 1970 (1970 का केंद्रीय अधिनियम 37) के उपबंधों के अधीन ठेकेदारों के लिए मुख्य नियोक्ता की स्थापना, लाइसेंस का पंजीकरण और नवीकरण 26 दिनों के भीतर किया जाएगा। इसी प्रकार, कारखाना अधिनियम, 1948 के अधीन कारखाना विभाग से योजनाओं का अनुमोदन तथा कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का केंद्रीय अधिनियम 63) के तहत कारखाना लाइसेंस और लाइसेंस का नवीकरण 45 दिन के भीतर जारी किया जाएगा। पंजाब दुकान और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अधिनियम, 1958 (1958 का पंजाब अधिनियम 15) के अंतर्गत दुकान पंजीकरण के लिए केवाईसी के आधार पर अलग-अलग समय सीमा तय की गई है। यदि केवाईसी अमान्य है, तो पंजीकरण एक दिन में किया जाएगा; जबकि केवाईसी मान्य होने पर इसे 15 दिनों में करना अनिवार्य होगा। भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार (नियोजन एवं सेवा शर्त विनियमन) अधिनियम, 1996 (1966 का केंद्रीय अधिनियम 27) के तहत नियोजित प्रतिष्ठानों का पंजीकरण अब 30 दिनों में करना होगा। इसी तरह, अंतरराज्यीय प्रवासी कर्मकार (नियोजन विनियमन एवं सेवा शर्त) अधिनियम, 1979 (1979 का केंद्रीय अधिनियम 30) के उपबंधों के अधीन मुख्य नियोक्ता की स्थापना का पंजीकरण 26 दिनों के भीतर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, हरियाणा भवन तथा अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के लाभार्थी के रूप में सन्निर्माण कर्मकारों के पंजीकरण/नवीनीकरण के लिए 30 दिन और बोर्ड की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभों को वितरित करने के लिए अधिकतम 90 दिनों की समय-सीमा तय की गई है।इन सेवाओं के लिए पदनामित अधिकारी, प्रथम शिकायत निवारण प्राधिकारी और द्वितीय शिकायत निवारण प्राधिकारी भी नामित किए गए हैं।

अंबाला के गांव छजुमाजरा निवासी किसान राजेंद्र बने लक्की ड्रा के विजेता: डा. राकेश कुमार

लाडवा। उप-उष्णकटिबंधीय फल केंद्र लाडवा के उप निदेशक डा. राकेश कुमार ने कहा कि 3 दिवसीय प्रदेश स्तरीय फल उत्सव मेले में बच्चों, महिलाओं, किसानों सहित हर वर्ग के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। रविवार 6 जुलाई को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा समापन समारोह में मुख्यातिथि होंगे। उन्होंने कहा कि वहीं मेले में आने वाले किसानों को रजिस्ट्रेशन पर कूपन दिया जा रहा है। इनमें से रोजाना 3 किसानों का लक्की ड्रा के माध्यम से विजेता घोषित किया जा रहा है। आज के लक्की ड्रा में गांव छजुमाजरा जिला अंबाला निवासी राजेंद्र प्रथम, लाडवा के ओम प्रकाश दूसरे और चकरिया जाटान जिला अंबाला निवासी राम कुमार तीसरे स्थान पर रहे। उप निदेशक डा. राकेश कुमार ने कहा कि स्कूल बच्चों के बीच करवाई गए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में यूनिक्यू शिक्षा निकेतन स्कूल प्रथम, दून पब्लिक स्कूल दूसरे और मदर ट्रेसा स्कूल के बच्चे तीसरे स्थान पर रहे। विजेताओं को प्रमाण पत्र, ट्राफी और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रतिभागी का प्रमाण पत्र दिया गया। उन्होंने बताया कि क्विज प्रतियोगिता में नारायणगढ़ जिला अंबाला निवासी राजेंद्र, इसराना जिला पानीपत निवासी शक्ति सिंह, बुराण जिला जींद निवासी रोहित, इंद्री जिला करनाल निवासी नवीन, चिडाव जिला करनाल निवासी रजवंती, लाडवा निवासी आयुष, चरणीय निवासी विरेंद्र कुमार, नगला निवासी कुलदीप सिंह ने सही जवाब देकर पुरस्कार प्राप्त किया।

मदर टेरेसा स्कूल के बच्चों ने रंगोली प्रतियोगिता में हासिल किया तीसरा स्थान

अनिल गोयल
लाडवा

उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र, लाडवा में आयोजित विशेष कार्यक्रम में मदर टेरेसा मॉडर्न पब्लिक स्कूल, मथाना के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें क्विज प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता और आम खाने की प्रतियोगिता मुख्य आकर्षण का केंद्र रहीं। विद्यार्थियों ने अपनी ज्ञान क्षमता, रचनात्मकता एवं उत्साह का परिचय देते हुए सभी प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता में बच्चों ने कृषि एवं बागवानी से जुड़े अनेक रोचक प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी सामान्य ज्ञान की समझ को दशार्या। रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने प्राकृतिक रंगों एवं फलों के प्रतीक चिन्हों से सुंदर कलाकृतियाँ बनाईं, जिससे परिसर का वातावरण और भी आकर्षक हो गया। रंगोली प्रतियोगिता में कक्षा पांचवी की छात्राएं अवनीत कौर, रवनीत कौर और हेजल ने तीसरा स्थान हासिल किया।आम खाने की प्रतियोगिता में बच्चों ने स्वाद के साथ-साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का भी आनंद उठाया। विद्यालय की प्रधानाचार्या पूजा सक्सेना ने बच्चों के इस सक्रिय योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियाँ बच्चों में टीम वर्क, रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने बच्चों को सीखने के साथ-साथ मनोरंजन का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में विजेता विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। ऐसे आयोजनों से बच्चों में कृषि विज्ञान के प्रति रुचि भी बढ़ती है, जो भविष्य में उनके सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगा।

देहरादून में सिविल एविएशन मिनिस्टर्स कांफ्रेंस का आयोजन

संवाददाता
चंडीगढ़

देहरादून में आयोजित नागरिक उड्डयन मंत्री सम्मलेन में हरियाणा के नागरिक उड्डयन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तथा शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने राज्य का प्रतिनिधित्व किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता के चलते आज राज्य का नागरिक उड्डयन विभाग नए आयाम छू रहा है।

उनके स्पष्ट विजन और मजबूत इच्छाशक्ति के कारण ही हरियाणा अब एविएशन सेक्टर में राष्ट्रीय पटल पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करवा रहा है। इस दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (अअक), ऊक्षअ तथा अन्य संबंधित संस्थाओं के साथ सभी राज्यों के नागरिक उड्डयन विभागों के बीच संवाद एवं समन्वय को सुदृढ़ करना था। इसमें राज्यों की जरूरतों और प्रस्तावों को साझा करने और नीति निर्माण को व्यावहारिक धरातल तक पहुंचाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण चर्चा हुई।

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने इस अभिनव आयोजन के लिए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री राम मोहन नायडू और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ?उड़ान योजना और अन्य पहलों के तहत देश में जितने नए एयरपोर्ट्स बने हैं, वह ऐतिहासिक और अद्भुत हैं। यह भारत की बदलती उड़ान का प्रतीक है । यह एक ऐसा परिवर्तन जो अब धरातल पर दिख रहा है। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने बताया कि अप्रैल महीने में हिसार एयरपोर्ट का उद्घाटन हुआ और वहां से नियमित उड़ानों की शुरूआत हो चुकी है, जो राज्य के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की उपस्थिति ने इस अवसर को और गरिमा दी। केंद्रीय मंत्री श्री राम मोहन नायडू से मेरा निवेदन है कि वे शीघ्र ही हिसार का दौरा करें और एयरपोर्ट विस्तार योजनाओं में राज्य को सहयोग दें।

उन्होंने यह भी बताया कि हिसार देश का तीसरा ऐसा एयरपोर्ट है जहाँ विस्तार की अपार संभावनाएं हैं। 7200 एकड़ में फैले इस एयरपोर्ट में 4000 मीटर लंबा रनवे, बेहतरीन सड़क और रेल कनेक्टिविटी, तथा आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर है जो इसे उत्तर भारत के प्रमुख एविएशन केंद्र के रूप में स्थापित कर सकता है।

हरियाणा सरकार द्वारा गुरुग्राम और फरीदाबाद में हेलीकॉप्टर निर्माण कार्य शुरू किया गया है। साथ ही, विपुल गोयल ने चंडीगढ़ प्रशासन से अनुरोध किया कि राज्य को हेलिपैड हेतु भूमि उपलब्ध करवाई जाए ताकि चंडीगढ़ से हरियाणा के विभिन्न जिलों को हेलीकॉप्टर कनेक्टिविटी दी जा सके।

उन्होंने यह भी बताया कि नागरिक उड्डयन विभाग केवल यात्रियों की उड़ान तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य में रिक्रिएशनल एविएशन और खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। भिवानी और महेन्द्रगढ़ में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल परिसर बनाए जा रहे हैं।

नई सहकारिता नीति से समाज, देश में होंगे क्रांतिकारी बदलाव: डॉ अरविंद शर्मा

संवाददाता
चंडीगढ़

- सीएम पैक्स के माध्यम से खुलेंगे जनऔषधि केंद्र, सीएससी सेंटर व गैस स्टेशन
- हरको बैंक युवाओं, किसानों को हार्वेस्टिंग मशीन खरीदने के लिए देगा लोन

हरियाणा के सहकारिता, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकार आंदोलन को रफ्तार देने के लिए सहकारिता मंत्रालय जल्द नई सहकारी नीति घोषित करेगा। उन्होंने हरियाणा में गन्ना उत्पादकों को हार्वेस्टिंग के दौरान आने वाली परेशानियों के समाधान के लिए हरको बैंक के माध्यम से लोन उपलब्ध करवाने की घोषणा की। इससे युवाओं, किसानों को हार्वेस्टिंग मशीनों के व्यवसायिक इस्तेमाल से आर्थिक तौर पर मजबूत होने के अवसर मिलेंगे। शनिवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर पंचकूला में राज्य स्तरीय समारोह में सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का लोगो लांच किया व दीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम की शुरूआत की। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि एक समय में सहकारिता संस्थाओं के माध्यम से महज खाद, दवाई, लोन संबंधी काम ही होते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन व केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की अगुवाई में आज सहकारी समितियों के माध्यम से जन औषधि केंद्र, सीएससी सेंटर, गैस स्टेशन जैसे 25 प्रकार के काम करने के अवसर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। देश मे जल्द ही नई सहकारी नीति लागू होने जा रही है, जो केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के हर घर को सहकार से जोड़ने के विचार को मजबूत करते हुए वर्तमान दौर की चुनौतियों के हिसाब से बड़े अवसर उपलब्ध करवाएगी।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हरियाणा का नाम रोशन कर रही बवानिया गांव की खिचड़ी

आत्मनिर्भर नारी शक्ति का उदाहरण बना प्रगतिशील टैगोर स्वयं सहायता समूह

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिला के गांव बवानिया से निकली ?प्रगतिशील टैगोर स्वयं सहायता समूह? की कहानी आज पूरे प्रदेश और देश की महिलाओं के लिए एक अमर प्रेरणा बन चुकी है।

यह कहानी है बनारसी देवी और उनके समूह की उन मेहनती महिलाओं की है जिन्होंने अपने सामूहिक प्रयास, अटूट विश्वास और हरियाणा सरकार की दूरदर्शी नीतियों के सहयोग से आत्मनिर्भरता की एक नई इबारत लिखी है। आज यह समूह न केवल 300 से अधिक महिलाओं को सम्मानजनक रोजगार दे रहा है बल्कि उनके द्वारा निर्मित उत्पादों की ख्याति देश की सीमाओं को लांघकर अमेरिका और जापान जैसे दूर देशों तक पहुंच चुकी है।

इस स्वयं सहायता समूह की यात्रा वर्ष 2001 में शुरू हुई जब बनारसी देवी ने अपने गांव की महिलाओं को संगठित कर आत्मनिर्भर बनने का सपना देखा। इसी सपने को साकार करने के लिए उन्होंने प्रगतिशील टैगोर स्वयं सहायता समूह की नींव रखी। वर्ष 2005 में इस समूह की विकास यात्रा ने गति पकड़ी। इसके बाद वर्ष 2017 में उन्होंने गांव की महिलाओं को अचार बनाने का कौशल सिखाया। इस शुरूआती सफलता से उत्साहित होकर समूह की महिलाओं को करनाल स्थित बागवानी प्रशिक्षण संस्थान में उन्नत प्रशिक्षण के लिए भेजा गया जहां उन्होंने उत्पादों की गुणवत्ता और पैकेजिंग के गुर सीखे।

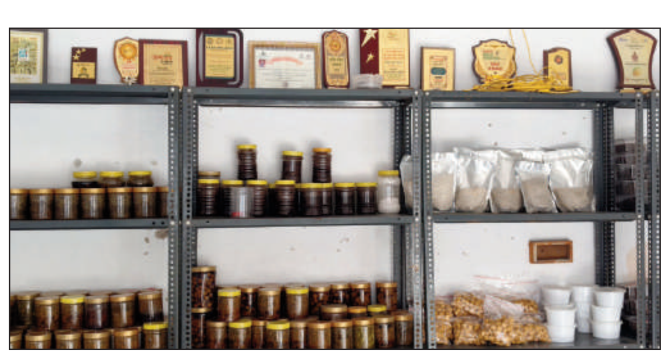

हरियाणा सरकार के ?राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन? का सहयोग समूह के लिए एक गेम-चेंजर साबित हुआ। इसी योजना के तहत वर्ष 2021 में समूह को दाल प्रसंस्करण के लिए एक मिनी दाल मिल उपलब्ध करवाई गई जिसने उनके उत्पादन क्षमता में क्रांति ला दी। धीरे-धीरे समूह ने अपनी गतिविधियों का विस्तार किया और महिला किसान संगठन से जुड़कर मोटे अनाज (मिलेट्स) और ऑर्गेनिक उत्पादों के उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया।

बनारसी देवी के कुशल नेतृत्व में समूह की महिलाओं ने बाजरे, ज्वार, रागी से बने स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद जैसे बाजरा खिचड़ी, बेसन, हल्दी व मसाले, तेल और गुड़ तैयार करना सीखा। आज इस समूह की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता का ही नतीजा है कि उनके उत्पादों की मांग न केवल हरियाणा बल्कि दिल्ली, चंडीगढ़, गुजरात, गोवा, जापान, अमेरिका और सिंगापुर जैसे देशों तक है। समूह द्वारा तैयार की गई बाजरा की खिचड़ी अपनी पौष्टिकता और स्वाद के कारण इतनी लोकप्रिय हुई है कि यह अब अमेरिका तक पहुंच चुकी है और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हरियाणा का नाम रोशन कर रही है।

प्रगतिशील टैगोर स्वयं सहायता समूह ने न केवल अपने सदस्यों को ही सशक्त किया है बल्कि बनारसी देवी के नेतृत्व में अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया है। समूह ने हरियाणा और राजस्थान में समय-समय पर प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन कर 100 से अधिक महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने का मार्गदर्शन दिया है। इन शिविरों में महिलाओं को मोटे अनाज से विभिन्न खाद्य उत्पाद तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है जिससे वे भी आत्मनिर्भर बन सकें।

बनारसी देवी का योगदान केवल आर्थिक सशक्तिकरण तक ही सीमित नहीं है। उनकी समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनके अभूतपूर्व योगदान को हरियाणा सरकार ने भी खुले दिल से सराहा है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा उन्हें सम्मानित भी किया जा चुका है।

अब किसान उत्पादक संगठन बनाने की योजना

बनारसी देवी का कहना है कि हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्र से मिले मार्गदर्शन ने प्रगतिशील टैगोर स्वयं सहायता समूह के छोटे से प्रयास को एक बड़े आंदोलन का रूप दे दिया है। भविष्य की ओर देखते हुए समूह एक किसान उत्पादक संगठन बनाने की योजना पर भी कार्य कर रहा है। यह पहल न केवल गांव बवानिया बल्कि पूरे महेंद्रगढ़ जिले की ग्रामीण महिलाओं को लाभान्वित करेगी और उन्हें स्थायी रोजगार के अवसर प्रदान करेगी। यह कदम हरियाणा सरकार की कृषि और ग्रामीण विकास नीतियों के अनुरूप है जो किसानों और विशेषकर महिला किसानों को संगठित कर उन्हें बाजार से सीधे जोड़ने पर केंद्रित है। इस समूह में प्रधान भागवंती, सचिव कृष्णा देवी, कोषाध्यक्ष रेखा देवी, चलती, माया, सविता, मंजू, राजबाला, सुमन, सुषमा, रेनू यादव, गायत्री, सविता, रेनू देवी, संतोष, ललिता देवी जैसी कई सशक्त महिलाएं महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

संपादकीय

ईवी खरीदार सतर्क रहें! पेट्रोल से 80% ज्यादा परेशान कर रहीं इलेक्ट्रिक कारें!

इसमें कोई दो राय नहीं है कि मौजूदा हालात में देश और दुनिया में इलेक्ट्रिक व्हीकल को पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहनों के विकल्प के तौर पर तेजी से अपनाया जा रहा है। इसे एक हरित विकल्प के रूप में देखा जा रहा है, जिससे प्रदूषण में कमी और ईंधन की खपत घटाई जा सके। लेकिन एक ताजा रिपोर्ट ने इलेक्ट्रिक कारों को लेकर एक नई चिंता खड़ी कर दी है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इलेक्ट्रिक कारें अपने पेट्रोल समकक्षों की तुलना में लगभग 80% ज्यादा तकनीकी समस्याएं उत्पन्न कर रही हैं। यह आंकड़ा न केवल आम उपभोक्ताओं के लिए, बल्कि ई वी निर्माण से जुड़े ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए भी एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। सवाल यह है कि क्या हम इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर जल्दबाजी में बढ़ रहे हैं? या फिर यह सिर्फ एक संक्रमण काल की तकनीकी बाधा है? आइये विस्तार से समझते हैं उस रिपोर्ट को जिसमें ई वी कारों से संबंधित महत्वपूर्ण खुलासा हुआ है। यह जानकारी अमेरिका की प्रतिष्ठित कंज्यूमर रिसर्च एजेंसी जे डी पावर की एक हालिया रिपोर्ट से सामने आई है। रिपोर्ट में 2024 में बाजार में उपलब्ध ईवी, हाइब्रिड और पारंपरिक आई सी ई गाड़ियों की तुलना की गई। आंकड़ों के अनुसार, हर 100 इलेक्ट्रिक गाड़ियों में औसतन 266 शिकायतें दर्ज की गई, जबकि पेट्रोल गाड़ियों के मामले में यह आंकड़ा केवल 180 रहा। यानी ईवी में तकनीकी दिक्कतों की दर 80% तक अधिक है। अब बात करते हैं इन गाड़ियों में पैदा होने वाली मुख्य समस्याओं की। रिपोर्ट में उपभोक्ताओं द्वारा बताई गई समस्याओं को मुख्यतः चार श्रेणियों में बांटा गया है: इनफोटेनमेंट सिस्टम - टचस्क्रीन, वॉइस कमांड, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, ऐप इंटीग्रेशन आदि में गड़बड़ी। बैटरी और चार्जिंग से संबंधित दिक्कतें - धीमी चार्जिंग, बैटरी ओवरहीटिंग, चार्जिंग स्टेशन से कनेक्टिविटी की दिक्कत। सॉफ्टवेयर अपडेट और इंटिग्रेशन - अपडेट के बाद फंक्शनल गड़बड़ियां और ड्राइविंग अनुभव में गिरावट। बॉडी फिटमेंट और बिल्ड क्वालिटी - ई वी निमार्ताओं द्वारा तेजी में प्रोडक्शन करने के चलते निर्माण में गुणवत्ता की कमी। एसा नहीं है कि इन गाड़ियों के स्वदेशी निमार्ता ही प्रभावित हुए हैं बल्कि टेस्ला से लेकर मर्सिडीज तक सब इससे प्रभावित हैं। ई वी निमार्ताओं में दुनिया की अग्रणी कंपनियां जैसे कि टेस्ला, फोर्ड, हुंडई, कीया, रीविआन और मसेर्डीज बेंज भी इस रिपोर्ट में पीछे रही हैं। जे डी पावर के मुताबिक, कुछ मामलों में तो हाई-एंड इलेक्ट्रिक कारों में समस्याएं अपेक्षाकृत अधिक देखी गईं क्योंकि इनमें ज्यादा तकनीकी फंक्शन और फीचर्स होते हैं जो बार-बार गड़बड़ियों का कारण बनते हैं। जे डी पावर के ऑटोमोटिव एनालिस्ट फ्रैंक हनले के अनुसार, 'ईवी वाहन एक नई तकनीकी क्रांति का हिस्सा हैं लेकिन इन्हें पेट्रोल वाहनों की तुलना में कहीं अधिक टेस्टिंग और सुधार की आवश्यकता है। कंपनियों को 'टेक्नोलॉजी ओवरलोड' से बचना चाहिए और बेसिक कार्यक्षमता पर अधिक ध्यान देना चाहिए।' गर हम अपने देश भारत की बात करें तो यहां भी ई वी कार मालिकों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। हालांकि जे डी पावर की यह रिपोर्ट अमेरिका केंद्रित है, लेकिन भारत में भी इलेक्ट्रिक कारों को लेकर उपभोक्ताओं की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उपभोक्ता बैटरी फेलियर, चार्जिंग में देरी, और सर्विस नेटवर्क की कमजोरियों को लेकर आवाज उठा रहे हैं। विशेषकर मध्यवर्गीय खरीदारों को उम्मीद होती है कि वे ई वी पर स्विच करके ईंधन खर्च बचाएंगे, लेकिन बैटरी रिप्लेसमेंट लागत, चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी और कम रेंज जैसे मुद्दे उनके अनुभव को प्रभावित कर रहे हैं। अगर हम सरकार की ई वी नीति और बाजार में तेजी का तुलनात्मक अध्यन करें तो पायेंगे कि भारत सरकार ने 2030 तक 30% वाहन इलेक्ट्रिक करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए फेम-2 जैसी योजनाओं के तहत सब्सिडी दी जा रही है। इसके साथ ही चार्जिंग स्टेशनों का विस्तार भी किया जा रहा है। लेकिन तकनीकी समस्याएं यदि इसी तरह बनी रहीं तो यह योजना आम जनता का विश्वास खो सकती है। भारत में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 2024-25 में 50% तक बढ़ी है, लेकिन इन वाहनों की पोस्ट-सेल सर्विस और मेंटेनेंस अब चिंता का विषय बनती जा रही है। आइये समझते हैं ऑटोमोबाइल एक्सपर्ट्स की भाषा को। भारतीय ऑटो एक्सपर्ट होरमाड्ज सोरबजी कहते हैं कि ₹ई वी सेगमेंट अब भी नवजात अवस्था में है। निमार्ताओं को सॉफ्टवेयर, बैटरी थर्मल मैनेजमेंट और लॉन्ग टर्म ड्युरेबिलिटी जैसे पहलुओं पर गंभीरता से काम करना होगा।₹वहीं ऑटो उद्योग पर नजर रखने वाले आर सी भार्गवा का मानना है कि ₹यदि ग्राहक अनुभव खराब हुआ तो ई वी ट्रांजिशन पर नकारात्मक असर पड़ेगा। कंपनियों को भरोसेमंद ब्रांड बनकर उभरना होगा।₹ अब बात करते हैं कि क्या ई वी से संबंधित मुश्किलें परमानेंट हैं? तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि ये समस्याएं अस्थायी हैं और ई वी टेक्नोलॉजी समय के साथ परिपक्व होगी। स्मार्टफोन और लैपटॉप जैसी तकनीकें भी शुरूआती दौर में समस्याग्रस्त रहीं, लेकिन समय के साथ उनमें सुधार हुआ। ई वी निमार्ताओं के सामने अब तीन बड़ी प्राथमिकताएं हैं: क्वालिटी कंट्रोल में सुधार, ग्राहक सेवा का विस्तार और लॉन्ग टर्म भरोसा कायम करना। अब सवाल पैदा होता है कि आखिर उपभोक्ताओं को क्या करना चाहिए? यदि आप इलेक्ट्रिक कार खरीदने की सोच रहे हैं, तो निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना जरूरी है: वाहन की वारंटी और सर्विस सपोर्ट को जांचें, चार्जिंग सुविधा की उपलब्धता का आकलन करें, कंपनी के कस्टमर फीडबैक और समस्या निवारण समय को समझें, सस्ते ब्रांड की बजाय स्थायित्व देने वाले ब्रांड पर भरोसा करें। दूसरी ओर ई वी कंपनियों की बात करें तो उनका तर्क है कि ई वी सेक्टर की कई कंपनियों ने जे डी पावर की रिपोर्ट को सकारात्मक आलोचना के रूप में लिया है। टेस्ला ने कहा है कि उनकी ओ टी ए अपडेट्स तकनीकी दिक्कतों को तेजी से हल कर रही हैं। हुंडई और टाटा मोटर्स जैसी कंपनियां भारत में विशेष ई वी मेंटेनेंस हब्स स्थापित कर रही हैं ताकि ग्राहकों को बेहतर अनुभव मिल सके। अंत में कह सकते हैं कि इलेक्ट्रिक कारें यकीनन भविष्य का विकल्प हैं। लेकिन वर्तमान में यह स्पष्ट हो रहा है कि यह तकनीक अब भी विकासशील अवस्था में है और पेट्रोल गाड़ियों की तुलना में विश्वसनीयता के मोर्चे पर पिछड़ रही है। सरकार को चाहिए कि वह ई वी नीति में अब 'क्वालिटी एश्योरेंस' जैसे मानकों को अनिवार्य करे। वहीं कंपनियों को चाहिए कि वे बिक्री की होड़ के बजाय उपभोक्ता संतुष्टि पर ध्यान केंद्रित करें।

आज का राशिफल

मेष: आय के नए अवसर सामने आ सकते हैं, जिससे आर्थिक समस्याओं का समाधान संभव है। साहित्य और लेखन क्षेत्र से जुड़े लोगों को मान-सम्मान मिलने के संकेत हैं। जीवनसाथी के साथ भावनात्मक संवाद संभव है। पूर्व में किए गए निवेश से संतान के लिए लाभ मिल सकता है।

वृषभ: प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि होगी। राजनीति या सामाजिक गतिविधियों में सफलता मिल सकती है। स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ उठाएंगे। खर्चों पर नियंत्रण पाने में आप सफल रहेंगे। महिलाओं के लिए दिन खासतौर पर शुभ रहेगा।

मिथुन: व्यवसाय में ग्राहकों के साथ रिश्ते बेहतर होंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में अनुकूल परिणाम मिलने के संकेत हैं। कार्य का बोझ कम होगा और आप परिवार के कुछ अहम फैसले ले सकते हैं। कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को नई पहचान मिल सकती है।

कर्क: वित्तीय मामलों में सतर्कता जरूरी है। आपका व्यवहार कभी-कभी अहंकारपूर्ण हो सकता है, जिससे संबंधों में खटास आ सकती है। अपनी मेहनत और क्षमता पर भरोसा बनाए रखें। दोपहर बाद कार्यों में रुकावट आ सकती है। रिश्तेदारों से मधुर संबंध बनाए रखें।

सिंह: दिन की शुरुआत शुभ समाचार के साथ हो सकती है। विद्यार्थियों को आज मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। परिजनों की चिंताओं से शाम को थोड़ी बेचैनी हो सकती है। अनावश्यक तनाव लेने से बचें। आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी।

कन्या: आज आप किसी चुनौतीपूर्ण कार्य को हाथ में ले सकते हैं। निर्माण या रचनात्मक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार के बुजुर्गों से कोई जिम्मेदारी मिल सकती है। प्रेम संबंधों में निकटता बढ़ेगी, लेकिन रोजमर्रा के कार्यों में रुचि कम हो सकती है।

तुला: किसी सामाजिक आयोजन में भाग लेने का अवसर मिलेगा। आपके व्यक्तित्व की प्रशंसा होगी। दूर के रिश्तेदारों से मुलाकात हो सकती है और घर का माहौल उत्सव जैसा रहेगा। दाम्पत्य जीवन में रोमांस बना रहेगा। शाम को थोड़ी थकान महसूस हो सकती है। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

वृश्चिक: करियर को लेकर कुछ उलझनें रह सकती हैं। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी, खासकर पेट दर्द हो सकता है। परिवार में मतभेद की संभावना है। युवा वर्ग भविष्य को लेकर असमंजस में रह सकता है। लंबी यात्रा से परहेज करें। खर्चों में वृद्धि संभावित है।

धनु: दिन आपके अनुकूल रहेगा। जीवनसाथी के प्रति स्नेह बढ़ेगा। कार्य का दबाव कम होगा जिससे मानसिक राहत मिलेगी। पुराने अनुभव उपयोगी साबित होंगे। प्रेम संबंधों में प्रगति हो सकती है; प्रस्ताव रखने के लिए अनुकूल समय है।

मकर: शोध या विश्लेषणात्मक कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं। कुछ कार्य विलंब से पूरे होंगे लेकिन लक्ष्य स्पष्ट रहेंगे। नए विचार और योजनाएं बन सकती हैं। साझेदारी में लाभ होगा। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ रहेगा।

कुंभ: नई तकनीकों को अपनाने का मौका मिलेगा। घर में सकारात्मकता बनी रहेगी। व्यापार में बिक्री बढ़ेगी और आर्थिक अड़चनें दूर होंगी। पढ़ाई-लिखाई से जुड़े लोग सफलता पाएंगे। यात्रा के लिए समय शुभ है। अव्यवहारिक निर्णयों से बचें।

मीन: नई चीजें सीखने की प्रेरणा मिलेगी। किसी वादे को न निभा पाने के कारण अपमान का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक व्यवसाय में थोड़ी निराशा हो सकती है। पारिवारिक व्यवसाय में समस्याएं आ सकती हैं। अनावश्यक सलाह देने से बचें।

छद्म धर्म-निरपेक्षता: राष्ट्रभाव का अपमान

संविधान की उद्देशिका में सेकुलर शब्द आपातकाल में जोड़ा गया था। संविधान के मूल पाठ में भी इसका अंग्रेजी शब्दानुवाद 'सेकुलर' नहीं था। प्रो. के.टी. शाह ने संविधान सभा में इसे दो दफा जुड़वाने की कोशिश की। 15 नवम्बर 1948 के दिन अनु. 1 में 'सेकुलर' शब्द जोड़ने का उनका प्रस्ताव गिर गया। फिर 25 नवम्बर 1948 को एक अन्य प्रस्ताव में 'सेकुलर' शब्द का प्रस्ताव औंधे मुंह गिरा। आपातकाल (1976) में पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी ने 42वें संविधान संशोधन के जरिए 'सेकुलर' जोड़ा। इसका अधिकृत हिन्दी पाठ धर्मनिरपेक्षता न होकर पंथनिरपेक्षता है।

धर्म की धारणा पंथ, मत, रिलीजन या आस्था विश्वास से भिन्न है। धर्म हरेक वस्तु या प्राणी का स्वभाव है, आस्था नहीं। अग्नि का धर्म ताप और जल का धर्म है रस। पृथ्वी का गुण कर्म धर्म है- गुरुत्वाकर्षण। पंथ, मत, मजहब आस्था विश्वास हैं। धर्म आस्थामुक्त है। यहां कोई एक देवदूत नहीं। कोई एक आस्थाग्रन्थ नहीं। भारत के लोगों की विवेकशील जीवनशैली का नाम है धर्म। धर्म यानी सनातन सत्य। इसलिए भारत धर्मनिरपेक्ष नहीं हो सकता। पंथनिरपेक्षता भारत के धर्म का ही स्वाभाविक प्रवाह है। अवसरवादी राजनीति सेकुलर का अनुवाद धर्मनिरपेक्ष करती है और इसी बहाने देश के बहुसंख्यक समाज को अपमानित करती है।

प्रत्येक शब्द का अर्थ होता है। अर्थ की विकृति में अनर्थ होता है। हरेक शब्द के जन्म का एक इतिहास भी होता है। एक विशेष परिस्थिति और संस्कृति में शब्द का विकास होता है। जर्मन दार्शनिक वाल्टेयर ने इसीलिए 'तर्क से पहले शब्दों की परिभाषा' को जरूरी बताया था। सेकुलर विचार का जन्म यूरोपीय पंथिक राज्य की तानाशाही की प्रतिक्रिया में हुआ। प्राचीन भारतीय इतिहास में पंथ/आस्था की तानाशाही वाला कोई राजा या राज्य नहीं हुआ। इस्लामी राज में बेशक औरंगजेब जैसे कई बादशाहों ने मजहब आधारित राजव्यवस्था चलाने के प्रयास किये, लेकिन भारत के धर्म की स्वाभाविक पंथनिरपेक्ष जीवनशैली के चलते सारे प्रयास असफल रहे। लेकिन इसी समय यूरोप में चर्च की पंथ आधारित तानाशाही चली। आमजनों के साथ-साथ राजा और राज्यव्यवस्थाएं भी बिलबिला गयीं। भारत धर्म क्षेत्र होकर भी धार्मिक तानाशाही से मुक्त रहा। यूरोप कथित विवेक विज्ञान से लैस होकर भी अंधआस्थावाद के जबड़ों में पिसा। यूरोपीय मध्यकाल अंधकार युग है, भारतीय मध्यकाल में मजहबी बादशाहत के बावजूद ज्ञान-विज्ञान और तर्क सम्मत धर्म विवेक का प्रवाह है।

छद्म सेकुलरवाद या कथित धर्मनिरपेक्षता सड़ा-गला विदेशी माल है। पश्चिम में चर्च की तानाशाही और राजा की राजशाही के बीच लम्बी लड़ाई चली। पोप इन्नोसेन्ट तृतीय के समय (1198-1216) चर्च के सामने राजा की ताकत नगण्य थी। इंग्लैण्ड और फ्रांस के राजा उसके दबदबे में थे। इटली उसके नियंत्रण में था। पोप से फ्रांस के राजा फिलिप का विवाद हुआ। मूल प्रश्न था कि सत्ता राजा चलाएगा? या पोप की पंथिकसत्ता? फ्रांस के राजा फिलिप ने पादरी समुदाय पर भी कर

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स.)

लगाया। पोप ने विरोध किया। पोप ने आदेश पत्र में कहा कि राजा और राज्य भी पोप-चर्च के अधीन हैं। चर्च की सम्पत्ति या लोग सांसारिक राज्य के अधीन नहीं आते। यही आदेश इंग्लैण्ड के लिए भी था। इंग्लैण्ड में काफी जद्दोजेहद के बाद राजा का आदेश माना गया, पादरी झुक गये। फ्रांस में पोप के आदेश के विरूद्ध राजा ने पोप के लोगों का फ्रांस प्रवेश रोक दिया। पोप और फ्रांस के राजा के बीच की टकराहट बढ़ती गयी। राजा ने देश के बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकताओं की बैठक बुलाकर तय किया, 'हम सांसारिक मामलों में किसी अन्य सत्ता के अधीन नहीं हैं।' इंग्लैण्ड के राजा हेनरी सप्तम और हेनरी अष्टम भी चर्च के आधिपत्य से लड़े। हेनरी अष्टम के सहायक और हाउस आफ लार्डस के सदस्य कार्डीनल वूल्जे ने बाइबिल के हवाले से कहा, 'जो ईश्वर का है, उसे ईश्वर को दो और जो राजा का है वह राजा को।' सिद्धांत यह बना कि सभी सांसारिक विषयों पर सत्ता का अधिकार है और ईश आस्था से जुड़े कार्य चर्च के हैं।

चर्च की अंध आस्थावादी तानाशाही और संसारवाद की लड़ाई में यथार्थवाद की जीत हुई। 1870 में पोप के रोम पर इटली का अधिकार हो गया। इटली की संसद (1871) ने 'ला आफ पेपर गारंटीज' पारित किया। पोप को उनका पड़ोसी क्षेत्र 'वेटिकन' देकर सर्वोच्च शासक माना गया। बाकी रोम अलग हो गया। 1905 में फ्रांस ने भी कानून बनाकर भौतिक विषयों पर राज्यव्यवस्था का एकाधिकार मजबूत किया। सारांश यह कि राजकाज के संचालन में संगठित पंथ से भिन्न व्यक्ति की गरिमा ही सेकुलरवाद है। लेकिन भारतीय राजनीति के कथित सेकुलर मजहबी कट्टरपंथ और धर्मान्तरणवादी ईसाइयत को सेकुलरवाद बताते हैं। वेटिकन दुनिया का सबसे छोटा देश है। पोप पंथिक राष्ट्राध्यक्ष हैं।

सारी दुनिया को ईसाई बनाना उनका लक्ष्य है। कथित धर्मनिरपेक्षता अवसरवादी भारतीय राजनीति का 'फास्टफूड' है। चैम्बर्स ट्वैन्टीन्थ सेन्चुरी डिक्शनरी व अंग्रेजी लागमैन डिक्शनरी सहित पश्चिम के सभी शब्दकोषों में इसका अर्थ पंथ-मजहब से असम्बद्ध, ईश्वर आस्था से पृथक भौतिक संसार है लेकिन अल्पसंख्यकवादी भारतीय राजनीति में इसका अर्थ मजहबवाद है। यहां मजहबी आरक्षण भी सेकुलर है और इसका संवैधानिक विरोध भी साम्प्रदायिकता है। हिन्दू होना सेकुलर विरोधी होना है और मजहबी कट्टरपंथ का समर्थन धर्मनिरपेक्षता है। बड़ा हास्यास्पद और हिंसक हथियार है धर्मनिरपेक्षता।

'हम भारत के लोग' प्राचीन धर्म और संस्कृति के कारण ही सर्वपंथ आदरभाव से युक्त हैं। यहां आयातित सेकुलरवाद की कोई जरूरत नहीं है। पंथ निरपेक्षता भारत का स्वभाव है। इसका मूल अर्थ सर्वपंथ समभाव है। अथर्ववेद में माता पृथ्वी की स्तुति है। यह माता भिन्न-भिन्न विचार वाले जनों को पोषण देती है। सारे मत अंततः एक हैं। गीता भी कहती है कि जो विभक्त दिखाई पड़ने वाले संसार को अविभक्त इकाई देखता है, वही सही देखता है। छद्म 'धर्म-निरपेक्षता' राष्ट्रभाव का अपमान है। रिलीजन-मत या मजहब की आस्था और धर्म एक नहीं है। भारत में प्रत्येक आस्था को आदर मिला। आखिरकार मजहबी बहुमत वाला एक भी मुल्क पंथनिरपेक्ष क्यों नहीं है? भारतीय धर्म और संस्कृति ने दयानंद, विवेकानंद, गोखले, तिलक, गांधी, पटेल, डॉ हेडगेवार, डॉ. लोहिया, विपिन चन्द्र पाल, बंकिम चन्द्र जैसे प्रेरक व्यक्तित्व दिये हैं। सेकुलर का अर्थ भौतिक और सांसारिक ही होता है, धर्मनिरपेक्ष नहीं। मजहबी अल्पसंख्यकपरस्ती तो कतई नहीं। उधार का ज्ञान खतरनाक होता है। उधार के शब्द और भी खतरनाक होते हैं। निरंतर प्रयोग से शब्द भी घिसते हैं। दुरूपयोग से पिटते भी हैं। इस तरह घिसे पिटे शब्द अपनी आभा खो देते हैं। शब्दों का सम्यक ज्ञान सम्यक प्रयोग ही लोकमंगल का मार्ग है। पतंजलि ने महाभाष्य में शब्दों के सम्यक प्रयोग के ही निर्देश दिए हैं।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

रील की दुनिया में रियल जिंदगी का विघटन, दिखावे की दौड़ में थकती जिंदगी

आज का समाज एक ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहां एक तरफ तकनीकी प्रगति ने जीवन को सहज और तेज बना दिया है, वहीं दूसरी ओर यही तकनीक धीरे-धीरे सामाजिक ताने-बाने को चुपचाप खोखला कर रही है। सोशल मीडिया, जो कभी सूचना और संपर्क का सशक्त माध्यम था, आज एक ऐसा नशा बन चुका है जिसने परिवार, संबंध और मानसिक स्वास्थ्य तीनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

पहले के समय में संवाद का अर्थ था- बैठकर बात करना, साथ हंसना, रोना, बहस करना और समझना। आज यह सब कुछ ₹टाइपर₹ और ₹स्क्रॉलर₹ में बदल गया है। बच्चे हों या बुजुर्ग, महिलाएं हों या पुरुष- सबके हाथ में स्मार्टफोन है और निगाहें स्क्रीन पर। कभी जो बातें रसोई, आंगन या बैठक में होती थीं, आज वो 'स्टेटस अपडेट', 'रील' या 'पोस्ट' में समा गई हैं। जिस रफ्तार से इंटरनेट की पहुंच और स्मार्टफोन का प्रसार हुआ है, उसी रफ्तार से हमारी असल दुनिया सिमटती जा रही है। सोशल मीडिया ने रिश्तों की परिभाषा बदल दी है। अब दोस्त वो हैं जिनके पोस्ट पर हम हार्ट भेजते हैं, परिवार वो है जिसके मैसेज को हमने ₹सीन₹ किया हो, और सुख-दुख वो है जो हमने ₹स्टोरी₹ पर साझा किया हो।

बच्चे अब खेल के मैदान में नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर 'गेमिंग' कर रहे हैं। स्कूलों से लौटकर मां-बाप से बात करने की बजाय वे इंस्टाग्राम खोलते हैं। किशोरावस्था, जो कभी आत्म-अन्वेषण और सामाजिक अनुभवों का समय हुआ करता था, आज वह सेल्फी, फिल्टर और वर्चुअल पहचान की दौड़ में उलझ गया है। सोशल मीडिया के इस अति-उपयोग ने एक ऐसा द्वंद्व पैदा किया है जहां व्यक्ति दिखने में बहुत व्यस्त है पर भीतर से बेहद अकेला है। रिश्ते जो कभी जीवन का आधार होते थे, अब 'टैग' और 'मेंशन' में बदल चुके हैं। पति-पत्नी एक ही छत के नीचे रहते हैं, लेकिन बातचीत व्हाट्सएप पर होती है। मां-बाप बच्चों को खाना परोसते हैं और बच्चे खाने से पहले उसकी तस्वीर खींचकर पोस्ट करते हैं।

यह आदत अब लत बन चुकी है। सुबह उठते ही सोशल मीडिया चेक करना, रात को सोने से पहले स्क्रॉल करना, हर क्षण को लाइव करना या कम से कम फोन में कैद करना। यह व्यवहार अब केवल समय की बबार्दी नहीं, बल्कि मानसिक विकारों का बीज भी बन चुका है। डिजिटल लाइफस्टाइल ने न केवल नींद, आहार, एकाग्रता को प्रभावित किया है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डाला है। सोशल मीडिया पर दिखने वाली 'परफेक्ट जिंदगी' का निरंतर सामना आम इंसान को हीन भावना

प्रियंका सौरभ (हि.स.)

से भर देता है। दूसरों की सफलताओं, सुंदरताओं, यात्रा और जीवनशैली की तस्वीरें देखकर व्यक्ति अपने जीवन को तुच्छ समझने लगता है। यही वह क्षण होता है जब तनाव, अवसाद और आत्मग्लानि जैसे विकार जन्म लेने लगते हैं।

खासकर किशोरों और युवाओं में यह प्रभाव और भी तीव्र है। सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स ने आत्ममूल्यांकन का नया पैमाना बना दिया है। एक पोस्ट पर कम लाइक आए तो आत्म-सम्मान को ठेस लगती है, ट्रोलिंग हो जाए तो महीनों तक अवसाद की स्थिति बनी रहती है। दूसरी ओर, इस प्लेटफॉर्म पर 'फेक आईडेंटिटी' और 'वर्चुअल ग्लैमर' का जाल इतना घना हो गया है कि लोग वास्तविकता से कटते जा रहे हैं। एक तरफ जहां व्यक्ति दूसरों को दिखाने के लिए महंगे कपड़े, कारें और कैफे में फोटो पोस्ट करता है, वहीं असल जिंदगी में वह कर्ज और तनाव से घिरा होता है। परिवारों में संवाद की जगह अब संदेह, दूरी और झगड़े ने ले ली है। शादीशुदा जिंदगियों में सोशल मीडिया पर गैरजरूरी बातचीत और अफेयर्स ने तलाक के मामलों में वृद्धि की है। बच्चों में चिड़चिड़ापन, सोशल आइसोलेशन और एकांतप्रियता बढ़ी है। बुजुर्ग अपने ही घर में उपेक्षित महसूस करते हैं क्योंकि बच्चे मोबाइल में खोए रहते हैं। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर झूठे आदर्शों और हानिकारक कंटेंट की भरमार भी है। लड़कियों को परफेक्ट फिगर के दबाव में डाला जाता है, युवाओं को सफलता के झूठे मॉडल दिखाकर भ्रमित किया जाता है, और छोटे बच्चे हिंसक या भ्रामक गेम्स में उलझ जाते हैं।

आज जब हम 'फैक्ट चेकिंग' और 'डिजिटल लिटरेसी' की बात करते हैं, तब यह समझना जरूरी है कि सोशल मीडिया सिर्फ सूचना या मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है- यह अब हमारी सोच, व्यवहार और संबंधों को गहराई से प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुका है। भारत जैसे देश में, जहां संयुक्त परिवार की परंपरा रही है, वहां सोशल मीडिया ने ₹संयुक्तता₹ की भावना को गहराई से चुनौती दी है। लोग अब त्योहारों में साथ बैठकर मिठाई खाने की बजाय उस मिठाई की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने में लगे रहते हैं। रिश्तों का स्पर्श, संवाद की गर्माहट और एक-दूसरे की मौजूदगी की जो भावना होती थी, वह डिजिटल एल्गोरिद्म के पीछे छिप गई है।

यह सच है कि सोशल मीडिया ने कई सकारात्मक चीजें भी दी हैं- आवाज उठाने का मंच, जागरूकता फैलाने का साधन और कई मामलों में न्याय की दिशा में जनदबाव बनाने का माध्यम लेकिन जब यही साधन साध्य बन जाए, तो समस्या खड़ी होती है।

अब यह समय है जब हमें व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर आत्मचिंतन करने की जरूरत है। हमें यह समझना होगा कि हम सोशल मीडिया के उपयोगकर्ता हैं, उसके दास नहीं। तकनीक का उपयोग जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए, न कि उसे निगल जाने के लिए। हमें अपने बच्चों को बताना होगा कि लाइफ का मतलब लाइक्स नहीं होता। हमें उन्हें यह सिखाना होगा कि रील लाइफ से ज्यादा कीमती रियल लाइफ होती है। हमें खुद से पूछना होगा कि आखिरी बार जब हम अपने माता-पिता के पास बैठकर बिना मोबाइल के बात किए, वह कब था।

समाधान यह नहीं कि सोशल मीडिया को छोड़ देना चाहिए बल्कि सोचना यह है कि इसे कैसे संतुलित किया जाए। हमें ₹डिजिटल डिटॉक्स₹ की आदत डालनी होगी। एक दिन बिना सोशल मीडिया के बिताना, भोजन करते समय मोबाइल को दूर रखना, रात को सोने से पहले स्क्रीन नहीं देखना, सुबह उठते ईश्वर या परिवार को याद करना, न कि इंस्टाग्राम को। सरकारों और संस्थानों को भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। स्कूलों में डिजिटल संतुलन की शिक्षा, माता-पिता के लिए कार्यशालाएं और सोशल मीडिया कंपनियों पर बच्चों के लिए सुरक्षित सामग्री सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

मनुष्य का मस्तिष्क तकनीक से तेज है, लेकिन अगर वह तकनीक का गुलाम बन जाए, तो मानवता खो बैठता है। सोशल मीडिया एक शक्तिशाली औजार है, बशर्ते हम उसे नियंत्रित करें, न कि वह हमें। अब समय है कि हम डिजिटल दुनिया में खुद को फिर से खोजें- सच्चे रिश्तों के लिए, मानसिक शांति के लिए और एक ऐसे समाज के लिए जो तकनीक से सशक्त हो लेकिन संवेदनाओं से जुड़ा भी हो। सोशल मीडिया का यह नया नशा तभी टूटेगा जब हम आत्मनियंत्रण, संवाद और समझदारी से इसे अपनाएंगे। वरना यह नशा हमारे बच्चों से उनकी मासूमियत, हमारे परिवार से उसकी गर्माहट और हमारे समाज से उसकी आत्मा छीन लेगा।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पर्यावरण के रचनात्मक प्रशासन के जरिए सतत् हरित बदलाव

पर्यावरण कुजनेट्स वक्र (एनवायरनमेंट कुजनेट्स कर्व) से हासिल पर्यावरण के प्रशासन से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान यह मानता है कि देश पहले विकास करते हैं और बाद में सफाई में जुटते हैं। यह अनुभवजन्य अंतर्दृष्टि अब विकसित हो चुके उन देशों के अनुभवों से प्रेरित है, जिन्होंने विकास की प्रक्रिया में संसाधन संबंधी जरूरतों को पूरा करने हेतु देश और विदेश में प्राकृतिक पर्यावरण का दोहन किया। लेकिन ऐसी सुविधा भारत जैसे देशों को नसीब नहीं है, जिन्हें अपनी विशाल आबादी की विकास संबंधी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अभी भी तेज गति से विकास करने की जरूरत है।

जब 2014 में एनडीए सत्ता में आई, तो चुनौती हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूल सिद्धांतों - 'सुधार, प्रदर्शन और बदलाव' - पर आधारित विकास एवं प्रगति को गति देने की थी। इन सिद्धांतों में जरूरत के हिसाब से पर्यावरण की सुरक्षा के सख्त उपायों से समझौता किए बिना 'व्यवसाय करने में आसानी' की सुविधा प्रदान करते हुए तेजी गति से विकास करना शामिल था। आज 2025 में, हम न सिर्फ इस चुनौती से निपट पाने में सफल रहे हैं बल्कि हमने शासन का एक ऐसा मॉडल तैयार किया है जिसे सारी दुनिया ने माना है। प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण बिल्कुल साफ था: इस प्रणाली को एक ऐसी प्रणाली में बदला जाए जो 'इकोलॉजी और अर्थव्यवस्था' दोनों के लिए फायदेमंद हो।

वर्ष 2014 में 'स्वच्छ भारत मिशन' की शुरूआत हमारी पहली बड़ी पहल थी। यह पहल स्वच्छता से आगे बढ़कर कचरे के प्रबंधन व पर्यावरण के संरक्षण के लिए एक व्यापक ढांचा स्थापित करने तक जा पहुंची। इस मिशन ने पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं को सामाजिक विकास के साथ जोड़ने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्या। इस मिशन को सभी नागरिकों को शामिल करते हुए एक जन आंदोलन के रूप में शुरू किया गया था और एक स्वच्छ एवं संसाधन के मामले में अपेक्षाकृत अधिक कुशल भारत की चाहत को आगे बढ़ाया गया था। विभिन्न शहरों में नागरिकों को पारदर्शी तरीके से वास्तविक समय में वायु की गुणवत्ता की निगरानी से जुड़ी सुविधा प्रदान करने के तुरंत बाद राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक का शुभारंभ किया गया।

वर्ष 2014 में शुरू की गई 'मेक इन इंडिया' पहल में भी कड़े पर्यावरण अनुपालन मानकों को शामिल किया गया। इससे यह साबित हुआ कि हम इकोलॉजी की स्थिरता को बनाए रखते हुए मैन्यूफैक्चरिंग को अपेक्षाकृत बड़े पैमाने पर और तेज गति से बढ़ावा दे सकते हैं। ऊर्जा संबंधी दक्षता को बढ़ावा देने और ऊर्जा पर आधारित अधिक संख्या में उद्योगों को शामिल करने के उद्देश्य से 2015 में प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना का विस्तार किया गया। इससे ऊर्जा संबंधी दक्षता के लिए एक बाजार-आधारित तंत्र का निर्माण हुआ।

कचरे के कारगर प्रबंधन, संसाधन संबंधी दक्षता में बढ़ोतरी और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2016 से कचरे के प्रबंधन के सभी प्रमुख नियमों को नियमित रूप से अद्यतन किया जा रहा है। इस दृष्टिकोण का बुनियादी सिद्धांत बाजार आधारित तंत्र और 'प्रदूषक द्वारा भुगतान के सिद्धांत' पर आधारित विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व से जुड़े ढांचे पर निर्भरता में निहित है। प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम, ई-कचरा प्रबंधन नियम तथा टायर, बैटरी एवं प्रयुक्त तेल अपशिष्ट प्रबंधन नियम आदि इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर तैयार किए गए थे। इससे एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण हुआ, जिसके तहत विभिन्न सामग्रियों के लगभग 4,000 पुनर्चक्रणकताओं को पंजीकृत पुनर्चक्रणकताओं के रूप में अनौपचारिक क्षेत्र से हटाकर औपचारिक क्षेत्र में लाया गया है। इस कदम से वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 1600 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। वर्ष 2022 में शुरू किए गए विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) पोर्टल चक्रीय अर्थव्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कुल 61,055 उत्पादकों ने प्लास्टिक पैकेजिंग, ई-कचरा, बेकार टायर, बैटरी के कचरे और प्रयुक्त तेल के क्षेत्र में काम करने हेतु ईपीआर पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। अपशिष्ट नियम, 2022 के प्रकाशन और ईपीआर पोर्टल की शुरूआत के बाद, शोधित अपशिष्ट की मात्रा वित्तीय वर्ष 2024-25 में इन नियमों के प्रकाशन से पहले 3.6 एमएमटी प्रति वर्ष की तुलना में बढ़कर 127.48 एमएमटी प्रति वर्ष हो गई है। यह सभी हितधारकों के सहयोग एवं समर्थन से संभव हुआ है।

भूपेंद्र यादव

प्रक्रियागत देरी में कमी लाने और एक व्यापक पर्यावरणीय मूल्यांकन करने के उद्देश्य से 2018 में 'परिवेश' (प्रो-एक्टिव एंड रिस्पॉन्सिव फैसिलिटेशन बाई इंटरएक्टिव, वर्चुअस एंड एनवायरनमेंटल सिंगल-विंडो हब) नाम के एक ऑनलाइन आईटी टूल का शुभारंभ किया गया। प्रधानमंत्री मोदी के 'डिजिटल इंडिया' के विजन को साकार करते हुए, इस डिजिटल प्लेटफॉर्म ने व्यवसाय जगत और पर्यावरण नियामकों के बीच के संवाद में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। 'परिवेश' ने पर्यावरण संबंधी मंजूरी की बोझिल एवं कागज-आधारित प्रक्रिया को एक सुव्यवस्थित एवं मजबूत डिजिटल अनुभव में बदल दिया है। इस दृष्टिकोण ने जहां पर्यावरण से जुड़े सख्त मूल्यांकन को बनाए रखा है, वहीं इस प्रक्रिया में लगने वाले समय में काफी कमी ला दी है और पारदर्शिता को बढ़ाया है।

वर्ष 2019 में शहरों पर केन्द्रित कार्य योजनाओं से लैस 'राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम' (एनसीएपी) के आधिकारिक शुभारंभ ने हमें नीति निमार्ता एवं नियामक से बदलकर अमल करने वाला बना दिया है। एनसीएपी का लक्ष्य 2025-26 तक पीएम10 सांद्रता में 40 प्रतिशत की कमी लाना या आधार वर्ष 2017-18 की तुलना में 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर के राष्ट्रीय मानक को हासिल करना है। एनसीएपी के साथ-साथ सीपीसीबी ने एनसीएपी के तहत आने वाले 131 शहरों में वायु की गुणवत्ता के रुझान की बारीकी से निगरानी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे वायु की गुणवत्ता निरंतर बेहतर हुई है। वर्ष 2021 में, गैर-प्राप्ति वाले शहरों में वायु गुणवत्ता के नियमन हेतु पोर्टल (पीआरएएनए) को कागज रहित परियोजना प्रबंधन के एकल बिंदु वाले वेब-आधारित उपकरण के रूप में शुरू किया गया। इससे स्वच्छ वायु से जुड़े उपायों के कार्यान्वयन की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति पर नजर रखना संभव हो सकेगा।

1 जुलाई, 2022 से एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध और 31 दिसंबर 2022 से 120 माइक्रोन से अधिक मोटाई वाली प्लास्टिक शीट पर प्रतिबंध ने जहां पर्यावरण के क्षेत्र में साहसिक नेतृत्व का परिचय दिया, वहीं उसी वर्ष शुरू किए गए 'जल जीवन मिशन' ने पानी की सुलभता को पर्यावरणीय स्थिरता के साथ जोड़ा।

एक व्यापक 'भारत शीतलन कार्य योजना' विकसित करके भारत दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हो गया है। इस कार्य योजना में विभिन्न क्षेत्रों की शीतलन संबंधी जरूरतों को पूरा करने वाले एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण समावेश है तथा इसमें ऐसे कार्यों की सूची दी गई है, जो शीतलन से जुड़ी मांग को कम करने में सहायक हो सकते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में शीतलन की जरूरत होती है तथा यह आर्थिक विकास का एक अनिवार्य हिस्सा है। आवासीय एवं वाणिज्यिक भवन, कोल्ड-चेन, प्रशीतन, परिवहन और उद्योग जैसे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में इसकी जरूरत पड़ती है।

भारत ने हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (एचएफसी) के उत्सर्जन में चरणबद्ध तरीके से कमी लाने हेतु 27 सितंबर 2021 को मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल में किगाली संशोधन का अनुमोदन किया। इसके तहत 2032 से आगे चार चरणों में चरणबद्ध तरीके से इस कार्य को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई गई है और 2032, 2037, 2042 एवं 2047 में उत्सर्जन में क्रमशः 10 प्रतिशत, 20 प्रतिशत, 30 प्रतिशत और 85 प्रतिशत की कटौती की जाएगी।

वर्ष 2022 में पारित ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) अधिनियम ने भारत की कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना की स्थापना की। इससे उत्सर्जन में कमी से संबंधित बाजार आधारित तंत्र का निर्माण हुआ। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो के तहत 2023 में हमारी कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना का संचालन देश के पहले व्यापक कार्बन बाजार के निर्माण की राह में एक अहम पड़ाव है। 1 नवंबर 2021 को ग्लासगो में सीओपी26 के दौरान प्रधानमंत्री मोदी द्वारा घोषित 'मिशन लाइफ' (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) मानव व्यवहार को प्रेरित करके टिकाऊ उपभोग पैटर्न को बढ़ावा देने वाला एक और अनुकरणीय कदम है।

कार्बन क्रेडिट के अलावा, 'ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम' के रूप में एक सकारात्मक उपाय की शुरूआत 2023 में संयुक्त अरब अमीरात में सीओपी28 के दौरान की गई ताकि पर्यावरण से संबंधित सकारात्मक कार्यों को पुरस्कृत किया जा सके और स्वैच्छिक पर्यावरणीय प्रबंधन को प्रेरित करने वाले प्रोत्साहनों का सृजन किया जा सके।

वर्ष 2024 में देश भर में भारत स्टेज ₹क (बीएस-₹क) उत्सर्जन मानदंडों का पूर्ण कार्यान्वयन और टिकाऊ वित्त हेतु हमारे हरित कर प्रणाली (ग्रीन टैक्सोनॉमी) के ढांचे का विकास ऐसे कदम हैं जो स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। ये कदम इस बात को भी दशार्ते हैं कि पर्यावरण से जुड़ा प्रशासन कैसे तकनीकी उन्नति और वित्तीय नवाचार को बढ़ावा दे सकता है।

पर्यावरण के अनुकूल और गुणवत्ता वाले टिकाऊ उत्पादों के उत्पादन व उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, मंत्रालय ने ई(पी) अधिनियम, 1986 के तहत इकोमार्क नियम, 2024 को अधिसूचित किया है। इसमें उत्पादन और उपभोग की टिकाऊ पद्धतियों को प्रोत्साहित करने हेतु उत्पादों की 80 उप-श्रेणियों के साथ 17 व्यापक श्रेणियां शामिल की गईं हैं और सीपीसीबी को प्रमुख प्रशासनिक एजेंसी के रूप में नामित किया गया है।

वर्ष 2018 में 'परिवेश' के शुभारंभ से लेकर 2024 में 'परिवेश 2.0' तक का विकास, पर्यावरण संबंधी प्रबंधन एवं निगरानी की प्रक्रिया में निरंतर तकनीकी व गुणात्मक सुधार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। 'परिवेश 2.0' में जीआईएस से लैस एक आधुनिक निर्णय समर्थन प्रणाली और एक बेहतर पर्यावरणीय मूल्यांकन सुविधाओं का समावेश है। अब जबकि हम विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में अग्रसर हैं, एक दशक से अधिक समय में लागू किया गया पर्यावरण से जुड़ा प्रशासकीय ढांचा टिकाऊ विकास के लिए एक ठोस आधार प्रदान करता है।

सीएम मान की ओर से पवित्र नगरी के निवासियों को लगभग 350 करोड़ का तोहफा

अमृतसर में नई बनी सड़कें, अपग्रेड की गई संपर्क सड़कें और छह नई लाइब्रेरी जनता को समर्पित

संवाददाता
अमृतसर

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने अमृतसर के निवासियों को लगभग 350 करोड़ रुपये के तोहफे के रूप में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

पवित्र नगरी को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृतसर के निवासियों को कुल 346.57 करोड़ रुपये की परियोजनाएं समर्पित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि नई सड़कों के निर्माण पर 56.36 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जबकि सड़क नेटवर्क को अपग्रेड करने पर 287.01 करोड़ रुपये और छह नई लाइब्रेरी बनाने पर 3.20 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

भगवंत सिंह मान ने बताया कि अमृतसर जिले में पंजाब मंडी बोर्ड और लोक निर्माण विभाग द्वारा 56.36 करोड़ रुपये की लागत से नई सड़कों का निर्माण किया गया है और 287.01 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का उन्नयन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार पूरे राज्य में ग्रामीण संपर्क सड़कों की मरम्मत और उन्नयन करवा रही है। उन्होंने बताया कि पंजाब में कुल 64,878 किलोमीटर संपर्क सड़कें हैं, जिन्हें अब तक हर छह साल में मरम्मत किया जाता रहा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अब इन लिंक सड़कों की मरम्मत के साथ-साथ अगले पांच वर्षों के लिए इनके रखरखाव को भी इस योजना में शामिल करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि अमृतसर के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में छह नई लाइब्रेरी स्थापित की गई हैं। उन्होंने बताया कि इन लाइब्रेरियों का निर्माण नगर निगम द्वारा 3.20 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अमृतसर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में दो मौजूदा लाइब्रेरी, जिनमें छेहर्टा लाइब्रेरी और पुरानी डीसी कार्यालय लाइब्रेरी शामिल हैं, का क्रमशः 32.58 लाख रुपये और 31.41 लाख रुपये की लागत से नवीनीकरण किया गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अमृतसर के उत्तरी, केंद्रीय, पूर्वी और दक्षिणी विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक नई लाइब्रेरी स्थापित की गई है, प्रत्येक लाइब्रेरी की लागत 64 लाख रुपये है। उन्होंने कहा कि ये आधुनिक सुविधाओं से युक्त लाइब्रेरी कंप्यूटर, इंटरनेट, उच्च गुणवत्ता वाला साहित्य और प्रतियोगी परीक्षाओं की अध्ययन सामग्री से सुसज्जित हैं।

भगवंत सिंह मान ने आशा व्यक्त की कि ये लाइब्रेरी विद्यार्थियों के लिए अपने सपनों को साकार आई करने की नई आशा की किरण बनेंगी क्योंकि अब विद्यार्थी इन पुस्तकों के माध्यम से विश्वस्तरीय ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये लाइब्रेरी विद्यार्थियों के बौद्धिक स्तर को ऊँचा उठाने और उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

मुख्यमंत्री ने अखाड़ा गांव के बायोगैस प्लांट के मसले के समाधान के लिए संयुक्त कमेटी के गठन की घोषणा की

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लुधियाना जिले के गांव अखाड़ा में लगाए जा रहे बायोगैस प्लांट के मसले के स्थायी समाधान के लिए गांववासियों और विशेषज्ञों की एक संयुक्त कमेटी बनाने की घोषणा की है। आज यहां मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर तालमेल संघर्ष कमेटी के नेता गुरतेज सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कमेटी गांववासियों द्वारा उठाई गई आपत्तियों और आशंकाओं के हर एक बिंदु पर गंभीरता से विचार करेगी और पूरी जांच के बाद अपनी सिफारिशें देगी, जिनके आधार पर सरकार आवश्यक कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कमेटी निर्धारित समय में अपनी रिपोर्ट देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की ओर से किसी भी प्रकार की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी और गांववासियों के हितों की पूरी तरह से रक्षा करने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंजाब में प्रदूषण को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है और प्रदूषण के प्रति बिल्कुल भी ढील न बरतने की नीति अपनाई गई है। उन्होंने गांववासियों को स्पष्ट रूप से अवगत कराया कि प्लांट पूरी तरह से प्रदूषण-मुक्त होगा और किसी को भी नियमों का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घुंगराली गांव के बायोगैस प्लांट का भी उदाहरण दिया, जिसे गांव की सहमति से चालू किया गया था। बैठक के दौरान घुंगराली गांव के प्रतिनिधि ने अपना अनुभव साझा किया। गांव अखाड़ा के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि गांववासी कमेटी को पूरा सहयोग देंगे ताकि इस मसले का सुखद समाधान निकाला जा सके।

युद्ध नशों विरुद्ध का 126वां दिन: 6.9 किलो हेरोइन, 6.1 किलो अफीम समेत 139 नशा तस्कर काबू

- पुलिस टीमों ने छह जिलों में 195 मेडिकल दुकानों की भी जांच की
- 'डी-एडिक्शन' के तहत पंजाब पुलिस ने 53 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने के इलाज के लिए किया तैयार

संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निदेशों पर राज्य से नशीले पदार्थों के पूर्ण खात्मे के लिए चलाई जा रही मुहिम 'युद्ध नशों विरुद्ध' के 126वें दिन भी जारी रखते हुए पंजाब पुलिस ने 139 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6.9 किलोग्राम हेरोइन, 6.1 किलोग्राम अफीम और 1.19 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इसके साथ ही, केवल 126 दिनों में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की कुल संख्या 20,594 हो गई है। यह ऑपरेशन, पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव के निदेर्शानुसार, राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक साथ चलाया गया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशामुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। पंजाब सरकार ने नशे के विरुद्ध इस जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में एक पांच सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है। स्पेशल डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने जानकारी दी कि 92 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 1400 से अधिक पुलिसकर्मियों वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में 451 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके दौरान कुल 91 एफआईआर दर्ज की गईं।

डीएसजीएमसी के अध्यक्ष हरमीत कालका ने पूर्व अध्यक्ष के अवैध अतिक्रमण की निंदा

संवाददाता
नई दिल्ली

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने हरियाणा के फतेहाबाद जिले के बिगहर में निमार्णाधीन स्कूल और कॉलेज को दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की देखरेख में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, अमृतसर के अधीन लाने की घोषणा करने पर पूर्व अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना की कड़ी निंदा की है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, अमृतसर के अधिकांश सदस्य शिरोमणि अकाली दल के हैं, जिससे एस सरना भी संबद्ध हैं। कालका ने अपने कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि श्री सरना ने जिस तरह का व्यवहार किया, वह बेतुका है, जो उनके जैसे व्यक्ति को शोभा नहीं देता। इस अवसर पर कमेटी के महासचिव श्री जगदीप सिंह कहलों व अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे। श्री कालका ने सवाल उठाया कि श्री सरना किस अधिकार से यह घोषित कर सकते हैं कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, अमृतसर इन संस्थाओं का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेगी? यह पूरी तरह से निराधार है। गुरूवार को श्री सरना, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, अमृतसर की टास्क फोर्स के कर्मचारियों व अपने समर्थकों के साथ दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के नियंत्रण वाली इमारत में जबरन घुस गए, जिसमें निमार्णाधीन स्कूल व कॉलेज की इमारत भी शामिल है। उन्होंने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी पर झूठा आरोप लगाया कि स्कूल बंद कर दिए गए हैं, जो कि सच्चाई से कोसों दूर है। श्री कालका ने कहा कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी इन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी और पुलिस को रिपोर्ट करेगी। उन्होंने कहा, मुझे संदेह है कि जिन लोगों ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की संपत्ति पर अतिक्रमण करने की बात कही है, उनकी सदस्यता भी रद्द हो सकती है। उन्हें भविष्य में ऐसी गतिविधियों से बचना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी उन स्कूलों को फिर से पटरी पर लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, जो पिछले अध्यक्षों, जिनमें श्री परमजीत सिंह सरना भी शामिल हैं, के कार्यकाल के दौरान खस्ताहाल हो गए थे। उन्होंने बताया कि पिछली कमेटियों ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के स्कूलों की छवि को नुकसान पहुंचाया है। हमारा प्रयास इस व्यवस्था को सुधारना है और सिख समुदाय को भरोसा दिलाना है कि हम दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के स्कूलों की पुरानी शान वापस लाएंगे। स. कालका ने बताया कि यह जमीन दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के नाम 287 एकड़ है, जिसमें से 40-50 एकड़ को छोड़कर बाकी जमीन कमेटी ने 2019 से पहले निजी लोगों को लीज पर दे दी थी। उन्होंने बताया कि 1996 में यहां स्कूल की आधारशिला रखी गई थी और 2000 में नर्सरी ब्लॉक की बिल्डिंग का निर्माण शुरू हुआ था, लेकिन छात्र न होने के कारण बाद में इसे प्राइमरी स्कूल में बदल दिया गया। जहां करीब 250 बच्चे पढ़ते थे। कोविड-19 के दौरान स्कूल बंद कर दिया गया था और अब दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी स्थानीय लोगों को अपने बच्चों को वापस स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

संक्षिप्त-समाचार

तख्त श्री पटना साहिब ने सुखबीर बादल को तनखैया घोषित किया

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष एवं पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल को तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब ने तनखैया घोषित किया है। तख्त से पंज प्यारों ने यह आदेश शनिवार को जारी किया। पटना साहिब से सुनाए गए इस फैसले का सीधा असर पंजाब की राजनीति पर हुआ है। सुखबीर बादल विरोधियों ने उन्हें फिर से घेरना शुरू कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि सुखबीर बादल को 2 बार अपना स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया गया था, लेकिन वह वहां नहीं पहुंचे। इसके बाद ये फैसला लिया गया। तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के फैसले के मुताबिक सुखबीर बादल ने सिद्धांतों, मयार्दाओं और पंज प्यारों के आदेशों का उल्लंघन किया। तख्त की प्रबंधक समिति के अधिकारों में दखल दिया है। 9 और 10 मई, 2023 को समिति की बैठकों में लिए गए निर्णयों को खुली चुनौती दी। पंज प्यारे सिंह साहिबों की जांच में स्पष्ट हुआ है कि इस साजिश में सुखबीर बादल की भी अहम भूमिका रही। पंज प्यारों ने 21 मई और 1 जून को सुखबीर बादल को अपना पक्ष रखने के लिए मौके दिए, लेकिन दोनों ही दिन वे तख्त के समक्ष पेश नहीं हुए। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी के विशेष अनुरोध पर उन्हें 20 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया, लेकिन तीसरे मौके पर भी तख्त के समक्ष उन्होंने अपना पक्ष नहीं रखा। इसके चलते शनिवार को उन्हें तनखैया करार दिया गया है। इससे पहले दिसंबर, 2024 में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को 9 साल पहले माफी देने समेत बेअदबी पर कार्रवाई न करने को लेकर श्री अकाल तख्त साहिब ने सुखबीर बादल को तनखैया घोषित किया था।

एचएंडएच एल्युमीनियम प्राइवेट लिमिटेड ने सोलर पैनल फ्रेम प्लांट का उद्घाटन किया

चंडीगढ़। एचएंडएच एल्युमीनियम प्राइवेट लिमिटेड ने राजकोट में भारत का सबसे बडा और सबसे उन्नत एल्युमीनियम सोलर फ्रेम मैन्युफेक्चरिंग प्लांट शुरू किया है। राजकोट के चिभडा गांव में 24,000 मेट्रिक टन (एमटी) प्रति वर्ष क्षमता वाला यह प्लांट भारत में 6 गीगावाट तक के सौर संयंत्रों को सपोर्ट कर सकता है। एचएंडएच एल्युमीनियम प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री उत्तम पटेल ने बताया कि यह एक ही स्थान पर भारत का सबसे बडा और सबसे उन्नत सोलर पैनल एल्युमीनियम फ्रेम प्लांट होगा और हमने इसे लगभग एक वर्ष के रिकॉर्ड समय में स्थापित किया था।

निसान मैग्नाइट के लिए सीएनजी रेट्रोफिटमेंट के दूसरे चरण की शुरूआत की

चंडीगढ़। निसान मोटर इंडिया ने आज अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी नई निसान मैग्नाइट के लिए सीएनटी रेटोफिटमेंट किट उपलब्ध कराने के दूसरे चरण की शुरूआत का एलान किया। इको फ्रेंडली सीएनजी का विकल्प अब राजस्थान, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु में निसान की अधिकृत डीलरशिप पर उपलब्ध होगा। पहले चरण में सीएनजी रेट्रोफिटमेंट विकल्प को 7 राज्यों दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और कर्नाटक में उपलब्ध कराया गया था। दूसरे चरण की लॉन्चिंग के साथ अब सीएनजी रेट्रोफिट वैरिएंट देश के 13 राज्यों में उपलब्ध है। कंपनी इसके तीसरे चरण की तैयारी भी कर रही है। इस किफायती और पर्यावरण के अनुकूल मोबिलिटी सॉल्यूशन को लेकर ग्राहकों की मजबूत मांग को देखते हुए दूसरा चरण शुरू किया गया है। रेट्रो फिटमेंट किट को सरकार द्वारा प्रमाणित थर्ड पार्टी वेंडर मोटोजेन ने डेवलप, मैन्यूफैक्चर और क्वालिटी एश्योर किया है।

पौधरोपण से हरियाली की ओर: वार्ड-10 में वन महोत्सव के अंतर्गत चला अभियान

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़ के प्रदेश उपाध्यक्ष देविंदर सिंह बबला ने शनिवार को वार्ड नंबर 10 जिसके अंतर्गत सेक्टर 27, 28 और 29 शामिल हैं, में वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत की। यह अभियान चंडीगढ़ नगर निगम द्वारा आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देना है। इस पहल के अंतर्गत वार्ड-10 में करीब 1000 पौधे लगाए जाएंगे। देविंदर सिंह बबला ने कहा कि यह पहल न केवल हमारे आस-पास के वातावरण को सुंदर बनाती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। उन्होंने आगे कहा कि हम सब मिलकर पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली भरा भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित भाजपा के प्रदेश महासचिव रामवीर भट्टी ने इस अवसर पर भाग लिया और पूरे जोश के साथ इस अभियान में योगदान देने के लिए सभी निवासियों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर शिखा निझावन, अध्यक्ष, आरडब्ल्यूए सेक्टर 27; फायर अवेयरनेस एंड सेफ्टी एसोसिएशन जसज्योत सिंह अलमस्त (एफएएसए), राजीव कटारिया, बलदेव सिंह कलसी, हरचरण सिंह रणौता, अवनिंदर सिंह, सतनाम सिंह, जसविंदर सिंह फुल्ल, हरविंदर सिंह सोहल, गुरप्रीत सिंह, सतपाल गुप्ता भी मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त सुरिंदर सिंह दुआ, गुरदीप सिंह चौहान और पुष्पराज शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी उपस्थितजनों ने कम से कम 5 पौधे लगाने का संकल्प लिया।

सरहद पार से नशा तस्करी करने वाले नैटवर्क का अमृतसर में पदार्फाश ; 5 किलो हेरोइन सहित चार गिरफ़्तार

संवाददाता
चंडीगढ़/ अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान काउन्टर इंटेलिजेंस (सीआइ) अमृतसर ने पाकिस्तान के साथ संबंधों वाले एक नशा तस्करी माड्यूल का पदार्फाश किया और इसके चार गुर्गों को 5 किलो हेरोइन सहित गिरफ़्तार किया है। यह जानकारी डायरैक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने शनिवार को यहाँ दी। गिरफ़्तार किये गए व्यक्तियों की पहचान रेशम सिंह, गुरपिन्दर सिंह दोनों निवासी धनोए कलाँ (अमृतसर), रूपप्रीत सिंह और शुभकर मनजीत सिंह दोनों निवासी सहिनेवाली (अमृतसर) के तौर पर हुई है। पुलिस टीमों ने 5 किलो हेरोइन बरामद करने के इलावा उनकी महिन्दरा थार (पीबी- ऐफसी- 7002) और हीरो सपलैंडर मोटरसाईकल (पीबी- डीवी- 6761) को भी जब्त किया है, जिनका प्रयोग खेपों को लाने- लेजाने के लिए किया जाता था।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्राथमिक जांच से पता लगा है कि मुलजिम पाकिस्तान स्थित तस्कर काका, जोकि पाकिस्तान के दयाल का रहने वाला है, के निदेर्शों अधीन काम कर रहे थे। जिक्रयोग्य है तस्कर काका सरहद पार से नशीले पदार्थों की खेप फेंकने के लिए ड्रोन का प्रयोग करता था। उन्होंने कहा कि गिरफ़्तार किये गए मुलजिम नशीले पदार्थों की खेपें राज्य में आगे अन्य नशा कारोबारियों तक पहुँचाते थे। डीजीपी ने ऑपरेशन सम्बन्धी विवरण सांझे करते हुये कहा कि काउन्टर इंटेलिजेंस, अमृतसर की टीमों को अमृतसर के गाँव धनोए कलाँ के नजदीक पड़ते भारत-पाकिस्तान सरहदी क्षेत्र के नजदीक कुछ व्यक्तियों की तरफ से नशीले पदार्थों की खेप प्राप्त करने के बारे पुख़्ता सूचना मिली थी।

उन्होंने कहा कि तेजी से कार्यवाही करते हुए पुलिस टीमों ने अटारी से पुल कंजरी रोड, अमृतसर की ओर जाते हुये चार व्यक्तियों को रोक कर तब काबू कर लिया, जब वह अपने वाहनों पर खेप पहुँचाने जा रहे थे और उनके कब्जे में से हेरोइन की खेप भी बरामद की। उन्होंने बताया कि इस मामले में नैटवर्क के अगले-पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए और जांच की जा रही है। आने वाले दिनों में और गिरफ़्तारियाँ और बरामदगियां होने की संभावना है।

पंजाब से कीटनाशक रहित बासमती निर्यात को तेज करने के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप की जरूरत

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब राज्य से कीटनाशकों के अवशेष रहित बासमती निर्यात को तेज करने सम्बन्धी पंजाब राज्य किसान और कृषि श्रमिक आयोग के चेयरमैन प्रोफैसर डा. सुखपाल सिंह के नेतृत्व अधीन विचार-विमर्श किया गया जिससे फसली राज्य में फसल विविधीकरण लाया जा सके और कम से कम 10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र धान से बाहर निकाला जा सके। इस विचार चर्चा में डा. सन्दीपराव पाटिल, उत्तरी भारत जोनल मैनेजर, डा. मालविन्दर सिंह मल्ली, ग्लोबल ट्रेनर बाईर फसल विज्ञान और डा. आर. एस. बैंस, श्री मानवप्रीत सिंह आर. ओ., श्री गगनदीप आर. ए. शामिल हुए।

यह विचार-विमर्श रणनीतिक हस्तक्षेप तैयार करने और राज्य से यूरोपियन यूनियन और संयुक्त राज अमरीका को बासमती के निर्यात में शामिल रुकावटों की पहचान करने के लिए किया गया जिसमें यह सामने आया कि एम. आर. एल. से अधिक कीटनाशकों का अवशेष इन देशों को निर्यात में रुकावट डालने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डा. राव ने आयोग के चेयरमैन के संज्ञान में यह भी लाया कि कृषि और किसान कल्याण विभाग ने 11 कीटनाशकों पर पाबंदी लगाई है जो 1 अगस्त से 30 सितम्बर तक लागू की जायेगी, जोकि एक स्वागत योग्य कदम है। हालाँकि, विभाग को कुछ कीटनाशकों के फैसले पर फिर से विचार करना चाहिए जो विश्व स्तर पर धान की फसल पर इस्तेमाल किये जा रहे हैं और उन देशों में अवशेष की कोई समस्या नहीं है। धान के व्यावहारिक विकल्प के तौर पर खरीफ मक्का की फसल एक महत्वपूर्ण फसल है जो पानी की खपत धान की फसल की अपेक्षा बहुत कम करती है। चेयरमैन ने एक खरीफ मक्का हाइब्रिड विकसित करने पर जोर दिया जिस में कम से कम 35 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन के साथ धान के तुलनात्मक आधार पर आमदन प्राप्त की जा सके। डा. राव ने बताया कि बाईर पेट्रोल के साथ इथेनॉल को मिलाने की इजाजत के मद्देनजर बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए इस पर व्यापक तौर पर काम कर रहा है और जल्दी ही हाइब्रिड किस्मों को पंजाब राज्य के किसानों द्वारा बड़े स्तर पर अपनाने की पेशकश की जा सकती है जो धान की फसल से काफी क्षेत्र को छुड़वा/मुक्त करवा/सकते हैं।

मुहिम

प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने हरित मानक स्थापित किया - शहर भर में 23 अलग-अलग स्थानों पर व्यक्तिगत रूप से पौधे रोपे

कटारिया के नेतृत्व में चंडीगढ़ ने रचा हरित इतिहास: एक दिन में 253 स्थानों पर 1.05 लाख पौधे रोपे गए

संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ के इतिहास में सबसे बड़े और सबसे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय कार्यक्रमों में से एक के रूप में वर्णित, पंजाब के राज्यपाल और यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज 'वन महोत्सव 2025' के अवसर पर शहर भर में एक विशाल वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया। इस अवसर पर शहर भर में जो कुछ हुआ वह अभूतपूर्व था। एक ही दिन में 253 पूर्व-निर्धारित स्थानों पर कुल 1,05,874 पौधे रोपे गए। शहर के व्यस्त केंद्रों से लेकर शांत आवासीय क्षेत्रों, पार्कों, संस्थागत परिसरों और सड़क के डिवाइडरों तक, शहर की खूबसूरती पर्यावरण जागरूकता की भावना से गूंज उठी। यह कार्यक्रम न केवल पर्यावरण स्थिरता के लिए शहर की गहरी प्रतिबद्धता का प्रतीक था, बल्कि चंडीगढ़ को भारत के सबसे हरे-भरे, पर्यावरण के अनुकूल और सबसे अधिक जलवायु-अनुकूल शहरों में से एक बनाने के राज्यपाल के मजबूत व्यक्तिगत संकल्प को भी दशार्ता है। व्यक्तिगत भागीदारी के असाधारण स्तर को प्रदर्शित करते हुए, राज्यपाल ने व्यक्तिगत रूप से शहर भर में 23 अलग-अलग स्थानों पर पौधे लगाए, जिससे भावी पीढ़ी के लिए पर्यावरण को संरक्षित करने के संबंध में एक शक्तिशाली संदेश गया। इतने सारे स्थलों पर राज्यपाल की उपस्थिति ने अधिकारियों, छात्रों, स्वयंसेवकों और नागरिकों के बीच उत्साह जगाया, जिसने इस दिन को सामूहिक जिम्मेदारी और नागरिक गौरव के हरित उत्सव में बदल दिया। वृक्षारोपण अभियान के दौरान जनता को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने प्रत्येक नागरिक से इस अवसर को वार्षिक अनुष्ठान के रूप में नहीं, बल्कि हमारे गृह की भलाई के लिए एक गंभीर प्रतिज्ञा के रूप में मानने का आान किया। उन्होंने कहा, वन महोत्सव केवल पेड़ लगाने के बारे में नहीं है; यह आशा, संतुलन और भविष्य के बारे में है। यह एक आयोजन नहीं है, यह एक हरित आंदोलन है - जिसे चंडीगढ़ के हर घर, हर स्कूल, हर संस्थान में गूंजना चाहिए। स्वतंत्रता सेनानी , राजनीतिज्ञ, वकील, लेखक और तत्कालीन भारत सरकार के खाद्य एवं कृषि मंत्री श्री कनैयालाल माणिकलाल मुंशी के गहन शब्दों को याद करते हुए - वृक्षों का अर्थ है जल, जल से रोटी और रोटी से ही जीवन - राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि मानव जीवन का अस्तित्व पेड़ों के अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। पेड़ों के बिना, न तो बारिश हो सकती है, न नदियाँ, न उपजाऊ भूमि - और न ही कोई भविष्य।

राज्यपाल ने वैश्विक आँकड़ों का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि दुनिया भर में हर साल 15 बिलियन से अधिक पेड़ नष्ट हो जाते हैं, जो हर सेकंड 40 फुटबॉल मैदानों के जंगल के विनाश के बराबर है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, ये केवल संख्याएँ नहीं हैं, ये एक घायल गृह से आने वाले तत्काल संकेत हैं। हमें अभी कार्य करना चाहिए, और दृढ़ विश्वास के साथ कार्य करना चाहिए। चंडीगढ़, जो पहले से ही अपने उल्लेखनीय 51.54% हरित आवरण के लिए जाना जाता है, ने इस शहर-व्यापी अभियान के साथ एक बार फिर राष्ट्रीय मानक को बढ़ाया है।

इस अवसर पर श्रीमती हरप्रीत कौर बबला, मेयर, चंडीगढ़, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री विवेक प्रताप सिंह, श्री मनदीप बराड़, गृह सचिव, चंडीगढ़ प्रशासन, श्री पुष्पेंद्र कुमार, डीजीपी चंडीगढ़, श्री अमित कुमार, आयुक्त नगर निगम, श्री सौरभ कुमार, मुख्य वन संरक्षक तथा चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

'भारत-त्रिनिदाद एवं टोबैगो द्विपक्षीय संबंधों के नये युग की शुरुआत'

त्रिनिदाद एवं टोबैगो ने आतंकवाद के हर रूप के प्रति कड़ा विरोध जताया

एजेंसी (हि.स.)
पोर्ट ऑफ स्पेन

भारत ने कैरेबियाई द्वीपीय देश त्रिनिदाद एवं टोबैगो को डिजिटल शासन की सार्वजनिक बुनियादी अवसंरचना को सशक्त बनाने, कृषि एवं खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, फार्मास्यूटिकल्स एवं आयुर्वेद, क्षमता निर्माण तथा सांस्कृतिक जुड़ाव के कार्यक्रमों को सहायता देने की वचनबद्धता व्यक्त की है जबकि त्रिनिदाद एवं टोबैगो ने आतंकवाद के हर रूप के प्रति कड़ा विरोध जताया और बहुपक्षीय मंचों पर भारत के साथ घनिष्ठ सहयोग की प्रतिबद्धता जताई है।

भारतीय प्रवासियों के देश में आगमन की 180वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की त्रिनिदाद एवं टोबैगो की

बहुपक्षीय मंचों पर भारत के साथ घनिष्ठ सहयोग की प्रतिबद्धता जताई

दो दिवसीय यात्रा के संपन्न होने के साथ दोनों देशों ने संयुक्त वक्तव्य जारी किया जिसमें कहा गया, ₹भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 3 से 4 जुलाई तक त्रिनिदाद एवं टोबैगो की ₹अत्यधिक सफलर आधिकारिक यात्रा का परिणाम दोनों देशों के बीच उन्नत द्विपक्षीय संबंधों के एक नए युग का मार्ग प्रशस्त करता है और एक मजबूत, समावेशी और दूरदर्शी भारत-त्रिनिदाद एवं टोबैगो साझीदारी के लिए उनकी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।₹

वक्तव्य में कहा गया है कि यह ऐतिहासिक यात्रा 26 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय

फोटोः हि.स.

यात्रा थी, जिसका गहरा महत्व था, क्योंकि यह 1845 में त्रिनिदाद एवं टोबैगो में भारतीय प्रवासियों के आगमन की 180वीं वर्षगांठ के साथ हुई थी। इसने गहरे जड़ वाले सभ्यतागत संबंधों, लोगों के बीच जीवंत संबंधों और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों की पुष्टि की जो दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती का आधार हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिससेर को उनकी हाल ही में मिली चुनावी जीत पर बधाई दी तथा भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। वक्तव्य में कहा गया कि भारत के भीतर और वैश्विक मंच पर प्रधानमंत्री मोदी के असाधारण नेतृत्व की मान्यता में, उन्हें ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद और टोबैगो से सम्मानित किया गया- जो देश का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर व्यापक चर्चा की। दोनों नेताओं ने संबंधों की गहराई और विस्तार पर संतोष व्यक्त किया और स्वास्थ्य, आईसीटी, संस्कृति, खेल, व्यापार, आर्थिक विकास, कृषि, न्याय, कानूनी मामलों, शिक्षा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में एक व्यापक-आधारित, समावेशी और दूरदर्शी साझेदारी बनाने के अपने संकल्प की पुष्टि की।

दोनों नेताओं ने आतंकवाद द्वारा शांति और सुरक्षा के लिए उत्पन्न सामान्य खतरे को स्वीकार किया। उन्होंने आतंकवाद की कड़ी निंदा की और उसके प्रति दृढ़ विरोध को दोहराया। उन्होंने घोषणा की कि सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद का कोई औचित्य नहीं हो सकता है।

मणिपुर: एक उग्रवादी गिरफ्तार

हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद

एजेंसी (हि.स.)
इंफाल

इंफाल वेस्ट के मोइरांगखोम से पुलिस ने एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा विभिन्न जगहों पर तलाशी अभियान के दौरान हथियार, विस्फोटक सामग्री और चोरी को गाड़ियां बरामद की हैं। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को विभिन्न जिलों में समन्वित अभियान चलाया गया। इस दौरान इंफाल वेस्ट के मोइरांगखोम से उग्रवादी संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ-पी) के सदस्य 38 वर्षीय हेसनाम रोमियो सिंह को गिरफ्तार किया।

उस पर इम्फाल क्षेत्र में सरकारी दफ्तरों और निजी संस्थानों से वसूली में शामिल होने का आरोप है। गिरफ्तारी के समय उसके पास से 22,500 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और एक वॉलेट बरामद हुआ। इसके अलावा इंफाल वेस्ट के सेक्माई थाना क्षेत्र के चानबिरोक हिल इलाके में छापेमारी के दौरान एक बोल्ट एक्शन राइफल, 9 एमएम कार्बाइन सबमशीन गन (मगजीन सहित), बिना डेटोनेटर वाला हाई-एक्सप्लोसिव ग्रेनेड (नं. 36), तीन अतिरिक्त मैगजीन, एक हेलमेट, चार 5.56 मिमी इंसास राउंड और चार आईईडी बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार थौबल जिले के लिलोंग तुरेल अहानबी क्षेत्र से चोरी की चार गाड़ियां बरामद कीं।

इनमें एक सफेद महिंद्रा बोलेरो, नीली मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स, सिल्वर मारुति सुजुकी स्विफ्ट और एक काली टाटा जेनन शामिल है। इनमें से तीन गाड़ियों के मालिकों की पहचान हो गई है, जबकि एक के मालिक का पता नहीं चल सका है। वहीं चुराचांदपुर जिले के चकमुआल गांव में एक अन्य अभियान में पुलिस ने एक देशी सिंगल बैरल राइफल, एक मैगजीन, पांच जिंदा बोल्ट कारतूस, दो 7.62 मिमी राउंड और आठ टियर स्मोक सेल बरामद हुए।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर भी पुलिस ने सख्त रुख अपनाया। 4 जुलाई को 59 चालान जारी कर 94,500 रुपये का जुर्माना वसूला गया। वहीं एक दिन पहले विशेष वाहन जांच अभियान के तहत राज्य भर में 21 वाहनों से काली फिल्में हटाई गईं।

फोटोः हि.स.

संभल सड़क दुर्घटना पर पीएम ने जताया शोक, मृतक परिजनों को 2 लाख की आर्थिक मदद की घोषणा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के संभल में शनिवार को हुई सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने प्रत्येक मृतक परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये तथा घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स पर पोस्ट में कहा, ्उत्तर प्रदेश के संभल में हुई दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर गहरा दुख हुआ। दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के संभल जिले के जुनावई थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम को सड़क हादसे में दूल्हा सहित 8 लोगों की मौत हो गई,

फोटोः हि.स.

जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब जुनावई थाना क्षेत्र के हरगोविंदपुर निवासी सूरज (24) की बारात बदायूं के लिए निकल रही थी। कार में दूल्हा सूरज के साथ उसकी भाभी आशा (26), भतीजा विष्णु (06), भतीजी ऐश्वर्या (02) के अलावा अन्य लोग बैठे थे। कार की तेज रफ्तार के कारण चालक स्टेयरिंग से नियंत्रण खो बैठा। बेकाबू कार जनता इंटर कालेज की दीवार से जा टकराई।

कंबोडिया और मलेशिया की यात्रा पर विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा

नई दिल्ली। विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा 7-8 जुलाई को कंबोडिया और 10-11 जुलाई को मलेशिया की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में दी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि कंबोडिया और भारत के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध हैं। दोनों देशों के बीच विकास सहयोग भी जनता-केन्द्रित रहा है। मंत्री की यह यात्रा आपसी संबंधों को और प्रगाढ़ करने के उद्देश्य से की जा रही है। अपनी यात्रा के दौरान पबित्रा मार्गेरिटा कंबोडिया के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे और आईटीईसी/आईसीसीआर पूर्व छात्र तथा भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत करेंगे। वह भारत द्वारा कंबोडिया के विश्व धरोहर स्थलों पर किए जा रहे संरक्षण और पुनर्स्थापन कार्यों की समीक्षा भी करेंगे। ये स्थल भारत-कंबोडिया की साझा सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं। इसके बाद मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा 10-11 जुलाई को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर का दौरा करेंगे। वह वर्तमान आसियान अध्यक्ष मलेशिया के निमंत्रण पर आसियान-भारत, ईस्ट एशिया समिट (ईएएस) और आसियान क्षेत्रीय फोरम (एआरएफ) जैसी महत्वपूर्ण बैठकों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

हिन्दू छात्राओं से दुष्कर्म मामले में एनएचआरसी ने दिए अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश

एनएचआरसी ने पीड़ित छात्राओं को मुख्यमंत्री राहत कोष से दी जा रही 50,000 रुपये की मदद को नाकाफी बताया

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक निजी कॉलेज की छात्राओं से जुड़े यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग और जबरन धर्म परिवर्तन के सनसनीखेज मामले में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग एनएचआरसी ने सख्त कदम उठाए हैं।

आयोग ने शुक्रवार को राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को निर्देश दिया है कि मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच कराई जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई की जाए।इसके साथ ही एनएचआरसी ने पीड़ित छात्राओं को

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री राहत कोष से दी जा रही 50,000 रुपये की मदद को नाकाफी बताया और आदेश दिया कि प्रत्येक पीड़िता को पांच लाख और नाबालिग पीड़िता को छह लाख रुपये की अंतरिम राहत दी जाए।दरअसल, कुछ मुस्लिम युवकों ने भोपाल के एक निजी कॉलेज की छात्राओं को पहले दोस्ती में फंसाया, फिर उनके साथ बलात्कार किया और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया।इसके बाद धर्म परिवर्तन और निकाह के लिए मजबूर करने की कोशिश की गई। आरोपियों ने अपनी असली पहचान भी छुपाई थी। आयोग ने इसे एक संगठित और योजनाबद्ध अपराध करार दिया है, जिसमें अन्य राज्यों तक नेटवर्क फैलने की आशंका जताई गई है। 13 से 17 मई 2025 के बीच एनएचआरसी की टीम ने भोपाल पहुंचकर संबंधित कॉलेज, पुलिस थाने, क्लब-90 और पीड़ितों के घरों का दौरा किया। जांच में कई गंभीर खामियां उजागर हुईं। मसलन, पुलिस ने डायल 100 पर की गई पीड़िता की कॉल को नजरअंदाज किया। बलात्कार की ्र्र्रको मामूली धारा में दर्ज किया गया। डिजिटल साक्ष्य नहीं जुटाए गए। क्लब-90 को अपराध के लिए इस्तेमाल किया गया, बाद में अवैध रूप से गिरा दिया गया। कॉलेज में एंटी-रैगिंग या महिला सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं थी। पीड़िताओं को पढ़ाई छोड़नी पड़ी, वे अब भी डरी हुई हैं। आयोग ने कहा है कि छात्राओं की पढ़ाई नए कॉलेज में शुरू करवाई जाए, पूरी सुरक्षा दी जाए और एससी/एसटी और ओबीसी वर्ग की छात्राओं की पुरानी छात्रवृत्तियाँ बहाल की जाएं। साथ ही, उनका पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए।

संक्षिप्त-समाचार

कीव पर रूस का घातक हवाई हमला, एक की मौत और 26 घायल

कीव। रूस ने वीरवार रात को यूक्रेन की राजधानी कीव पर ड्रोन और मिसाइलों से अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 26 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमले के कुछ घंटे बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत की। जेलेंस्की के बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को मजबूत करने, संभावित संयुक्त हथियार निर्माण और युद्ध समाप्ति के प्रयासों पर चर्चा की। जेलेंस्की से हुई फोन पर बातचीत के बारे में पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, ₹मुझे लगता है कि हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही।जब उनसे युद्ध समाप्ति के बारे में पूछा गया तो ट्रंप ने कहा, मुझे नहीं पता। मैं आपको यह नहीं बता सकता कि ऐसा होने वाला है या नहीं। अमेरिका ने यूक्रेन को दी जाने वाली कुछ सैन्य सहायता अस्थायी रूप से रोक दी है, जिसमें महत्वपूर्ण हवाई रक्षा मिसाइलें भी शामिल हैं। यूक्रेन के यूरोपीय समर्थक देश इस बात पर विचार कर रहे हैं कि वे इस कमी को कैसे पूरा कर सकते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन अपनी घरेलू हथियार उद्योग को विकसित करने की योजना बना रहा है, लेकिन इसमें समय लगेगा। अधिकारियों के अनुसार, कीव पर सात घंटे तक जारी रहे भीषण हमले ने राजधानी के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई। जेलेंस्की ने कहा कि यह बेहद कठिन राहत थी। रूस की वायुसेना ने बताया कि रात के दौरान रूस ने यूक्रेन में 550 ड्रोन और मिसाइलें दागीं। इनमें से ज्यादातर शाहेद ड्रोन थे, रूस ने 11 मिसाइलें भी दागीं।

टेक्सास में बाढ़ के बाद 'समर कैंप' से 20 से अधिक लड़कियां लापता

न्यूयॉर्क। दक्षिण-मध्य टेक्सास में आई भीषण बाढ़ के बाद एक 'समर कैंप' से 20 से अधिक लड़कियां शुक्रवार को लापता हो गईं। चिंतित परिजनों ने सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें साझा कर गुमशुदा लड़कियों के विषय में जानकारी देने की लोगों से अपील की है। केर काउंटी के शेरिफ लैरी लीथा ने बताया कि टेक्सास हिल कंट्री में बारिश के कारण शुक्रवार को कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग लापता हो गए। बाढ़ के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में वर्षों से 'समर कैंप' आयोजित किए जाते हैं जहां प्रतिवर्ष हजारों बच्चे आते हैं। लेफ्टिनेंट गवर्नर डैन पैट्रिक ने बताया कि हंट इलाके में ग्वाडालूप नदी किनारे के 'मिस्टिक कैंप' की 23 लड़कियां लापता हैं। बचाव दल नाव और हेलीकॉप्टर से उनकी तलाश कर रहे हैं। दर्जनों परिवारों ने बताया कि सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें सूचना दी है कि उनकी बेटियों का अब तक पता नहीं चला है। वहीं 'कैंप मिस्टिक' ने लड़कियों के परिजन को ईमेल कर कहा है कि जिनसे कैंप ने सीधे संपर्क नहीं किया है,उनकी बच्चियां सुरक्षित हैं।

श्री अमरनाथ यात्रा के लिए 6,979 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू। भारी बारिश के बावजूद 6,979 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था श्री अमरनाथ यात्रा के लिए शनिवार तड़के जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। अधिकारियों ने जानकारी दी कि अनंतनाग जिले के पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल में दोहरे रास्तों से 38 दिवसीय वार्षिक यात्रा शुरू होने के बाद से लगभग 30,000 तीर्थयात्री श्री अमरनाथ की पवित्र गुफा में प्राकृतिक रूप से बर्फ से बने भगवान शिव के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि 6,979 तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था जिसमें 5,196 पुरुष, 1,427 महिलाएं, 24 बच्चे, 331 साधु और साध्वी तथा एक ट्रांसजेंडर शामिल हैं, कड़ी सुरक्षा के बीच दो अलग-अलग काफिलों में तड़के 3.30 बजे से 4.05 बजे के बीच भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। उन्होंने बताया कि 4,226 तीर्थयात्री 161 वाहनों में सवार होकर 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग से नुनवान आधार शिविर के लिए रवाना हुए, जबकि 2,753 तीर्थयात्री 151 वाहनों में सवार होकर 14 किलोमीटर लंबे-छोटे, लेकिन अधिक ढलान वाले बालटाल मार्ग की ओर गए। बुधवार को जब उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू से यात्रा को हरी झंडी दिखाई थी तब से अब तक कुल 24,528 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं।यात्रा कड़ी सुरक्षा के बीच सामान्य रूप से जारी है। भगवती नगर आधार शिविर को बहुस्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया है। अब तक 3.5 लाख से अधिक लोगों ने तीर्थयात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। जम्मू भर में 34 आवास केंद्र स्थापित किए गए हैं और तीर्थयात्रियों को रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) टैग जारी किए जा रहे हैं। तीर्थयात्रियों के मौके पर पंजीकरण के लिए बारह काउंटर स्थापित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश ने राज्य में अपराधों को लेकर की उच्चस्तरीय समीक्षा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में लगातार हो रहे अपराधों को लेकर शनिवार को अपने आवास पर पुलिस महानिदेशक और अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ विधि व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। एक तरफ प्रदेश में विधापसभा चुनाव कर सरगर्मियां तेज हो गई हैं वहीं बढ़ते अपराधों को लेकरराजनीतिक दल नीतीश कुमार पर हमलावर हैं और उनसे कानून व्यवस्था के बाबत सवाल खड़े कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अपराध नियंत्रण में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतें। उन्होंने कहा कि लापरवाही बरतने वाले पदाधिकारियों और पुलिस कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। बैठक में मुख्यमंत्री को पुलिस महानिदेशक ने अपराध नियंत्रण को लेकर किए जा रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने उद्योगपति गोपाल खेमका की हुई हत्या के संबंध में पुलिस महानिदेशक से विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि अपराध के कारणों की पूरी तहकीकात कर दोषी की पहचान करें और बिना किसी भेदभाव के उन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। यदि आपराधिक घटना के पीछे किसी प्रकार की साजिश है तो उसकी भी जांच की जाय और जांचोपरांत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधि व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराध करनेवाले कोई भी हों, उन्हें किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाय। उन्होंने कहा कि घटित आपराधिक घटनाओं के अनुसंधान कार्यों में तेजी लाये और इसे ससमय पूर्ण करें ताकि दोषियों पर त्वरित कार्रवाई हो सके। कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिये पुलिस और प्रशासन पूरी मुश्तैदी से कार्य करें।

जम्मू-कश्मीर के रामबन में पांच बसों की आपस में टक्कर, 36 अमरनाथ यात्री घायल

एजेंसी (हि.स.)
रामबन

रामबन जिले में शनिवार को पांच बसों के आपस में टकरा जाने से कम से कम 36 अमरनाथ तीर्थयात्री मामूली रूप से घायल हो गए। ये बसें जम्मू के भगवती नगर से दक्षिण कश्मीर के पहलगाम बेस कैंप की ओर जा रहे काफिले का हिस्सा थीं।

अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब 8 बजे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चंद्रकूट के पास हुई। उन्होंने बताया कि टक्कर काफिले में शामिल बसों में से एक के ब्रेक फेल होने के कारण हुई। रामबन के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद अलयास खान ने बताया कि पहलगाम काफिले के आखिरी वाहन ने नियंत्रण खो दिया और चंद्रकोट लंगर स्थल पर फंसे वाहनों को टक्कर मार दी जिससे चार वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और 36 यात्री मामूली रूप से घायल हो गए।उन्होंने

फोटोः हि.स.

बताया कि घटनास्थल पर पहले से मौजूद सरकारी अधिकारियों ने घायलों को रामबन जिला अस्पताल पहुंचाया। कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घायलों के इलाज की निगरानी के लिए अस्पताल का दौरा किया और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सर्वोत्तम देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि यात्रियों को बाद में आगे की यात्रा के लिए अन्य वाहनों में स्थानांतरित कर दिया गया। रामबन के चिकित्सा अधीक्षक सुदर्शन सिंह कटोच ने बताया कि तीर्थयात्रियों को प्राथमिक उपचार के तुरंत बाद छुट्टी दे दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि क्षतिग्रस्त बसों को बदलने के बाद काफिला अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गया।

आज सुबह 6,979 तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था भगवती नगर बेस कैंप से कश्मीर घाटी की ओर रवाना हुआ है।

मप्र में 15 लाख से अधिक विद्यार्थियों को दी जाएगी साइकिल

भोपाल। यह आंकड़ा किसी भी राज्य सरकार द्वारा दी जा रही विद्यार्थियों को साइकिल वितरण का बहुत बड़ा है, जोकि मध्य प्रदेश में घटने जा रहा है। यहां मध्य प्रदेश की छात्राओं के लिए यह एक बड़ी खुशखबरी है। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से उन्हें बड़ी संख्या में निशुल्क साइकिल दी जा रही है। इसके दिशा-निर्देश जारी करने के बाद अब इसके कार्यक्रम की घोषणा भी कर दी गई है। इसमें कक्षा छठवीं और नवमीं की छात्राओं को साइकिल दी जाएगी। अब इसे लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक्स के माध्यम से जानकारी साझा की है। उन्होंने एक पोस्टर शेयर करते हुए कहा कि 10 जुलाई को प्रदेश में 15 लाख से अधिक स्कूली विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित की जाएंगी।्व वहीं, पोस्टर के अंदर लिखा हुआ है, शिक्षा की राह होगी साइकिल के संग आसान, कक्षा 6वीं और 9वीं में प्रवेश करने वाले विद्यार्थियों को दी जाएगी निःशुल्क साइकिल। 15 लाख से अधिक विद्यार्थियों को मिलेगी नई ऊर्जा, नई रफ्तार, समानता और सुविधा की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश। उल्लेखनीय है कि गत सप्ताह स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से सरकारी स्कूलों में निःशुल्क साइकिल वितरण के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए।

धामी ने टनकपुर से कैलाश मानसरोवर यात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

एजेंसी (हि.स.)
चम्पावत

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज टनकपुर स्थित पर्यटन आवास गृह से कैलाश मानसरोवर यात्रा के पहले दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने यात्रियों का पारंपरिक रूप से स्वागत किया और उत्तराखंड की सांस्कृतिक धरोहर से जुड़े स्मृति चिह्न भेंट किए।

मुख्यमंत्री ने 11 राज्यों से आए सभी 45 श्रद्धालुओं से संवाद कर उनका देवभूमि उत्तराखंड में हार्दिक स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैलाश मानसरोवर की यात्रा करने का सौभाग्य हर किसी को नहीं मिलता, यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मिक और आध्यात्मिक जागरण का मार्ग है। उन्होंने कहा श्रद्धालु इस अद्वितीय यात्रा के सहभागी बनकर केवल यात्रा नहीं, बल्कि समर्पण की अनुभूति लेकर जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और दृढ़ संकल्प से कैलाश मानसरोवर यात्रा सीमाओं को लांघते हुए शिव से साक्षात्कार का सशक्त माध्यम बन गई है। पहले जिस यात्रा में सात दिन या उससे अधिक का समय लगता था, अब वह कुछ ही घंटों में संभव हो सकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार इस यात्रा को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए पूरी तरह समर्पित है। प्रत्येक पड़ाव पर स्वास्थ्य, आवास, भोजन, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुदृढ़ की गई हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में हुई मुठभेड़ में एक पुरुष नक्सली ढेर, हथियार बरामद

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने एक नक्सली को ढेर कर दिया है। उसके पास से हथियार भी बरामद किया है। वहीं कई नक्सलियों के मारे जाने व घायल होने की भी संभावना व्यक्त की गई है।

क्षेत्र में नक्सलियों के बड़े कैडर की उपस्थिति की प्राप्त आसूचना के आधार पर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम के द्वारा सर्चिंग अभियान प्रारंभ किया गया। अभियान के दौरान शुक्रवार से ही सुरक्षा बलों एवं नक्सलियों के बीच रुक-रुककर लगातार मुठभेड़ जारी रही है। सुरक्षाबलों की पूरी टीम नेशनल पार्क क्षेत्र में पूरी रात नक्सलियों को घेराबंदी कर रखा गया था। सुरक्षाबलों के द्वारा शनिवार सुबह से की गई सर्चिंग कार्रवाई में मुठभेड़ स्थल से एक नक्सली का शव हथियार सहित बरामद किया गया है। जबकि इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों के मारे जाने एवं घायल होने की संभावना है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ में एक नक्सली का शव बरामद होने की पुष्टि करते हुए बताया कि अभियान अभी भी जारी है, इसलिए इसमें शामिल जवानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अधिक जानकारी साझा नहीं की जा सकती। अभियान पूर्ण होने के पश्चात विस्तृत जानकारी पृथक से उपलब्ध कराया जाएगा।

मौसम

भारी बारिश का दौर पिछले एक सप्ताह से जारी

मध्य प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात

बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम सक्रिय

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

मध्य प्रदेश में भारी बारिश का दौर पिछले एक सप्ताह से जारी है, जिसके अभी आगे भी बने रहने की भविष्यवाणी मौसम विभाग द्वारा की गई है। विभाग की मानें तो यहां एक स्ट्रॉन्ग सिस्टम सक्रिय है, जिससे चलते ये हालात हैं। उधर प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ के हालात दिखाई देने लगे हैं। यहां शुक्रवार को कई जिलों में शुरू हुई बारिश आज शनिवार को भी जारी है। मौसम विभाग ने मंडला, सिवनी और बालाघाट में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है और जिसके चलते बाढ़ की चेतावनी भी दी गई है।

इस संबंध में मौसम वैज्ञानिक वेदप्रकाश सिंह ने शुक्रवार शाम कहा था कि उत्तरी शिवपुरी, निवारी/ओरछा, छतरपुर/खजुराहो, पन्ना/टीआर, दमोह,

फोटोः हि.स.

जबलपुर/एपी/भेड़ाघाट और रीवा में बिजली के साथ भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। साथ ही अलीराजपुर, धार/मांडू, श्योपुर कलां/कुनोएनपी, मुरैना, दतिया/रतनगढ़, सागर, टीकमगढ़, रायसेन/सांची/भीमबेटका, मैहर, खंडवा/ओंकारेश्वर, नरसिंगपुर, मऊगंज, कटनी में मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है।

उन्होंने बताया था कि उमरिया/बांधवगढ़, मंडला/कान्हा, सिंगरौली एवं सीधी; और शाम के समय ग्वालियर/एपी, भिंड, पूर्वी भोपाल, विदिशा/उदयगिरि, हरदा, देवास, राजगढ़, दक्षिणी शिवपुरी, शहडोल, अनुपपुर/अमरकंटक, डिंडोरी, बालाघाट, सिवनी, नर्मदापुरम/पचमढ़ी, उत्तरी बैतूल, छिंदवाड़ा, सतना/चित्रकूट, इंदौर/एपी, नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, झाबुआ, खरगोन/महेश्वर और बड़वानी में हल्की बारिश होगी। शनिवार सुबह देखा गया कि जो भविष्यवाणी मौसम विभाग द्वारा की गई, उस अनुरूप यहां लगातार बारिश हो रही है। अब तक पिछले 24 घण्टे के दौरान राज्य के 29 जिलों में बारिश हुई है, जिसमें सबसे अधिक जबलपुर में पानी गिरना सामने आया है।

मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश में हवा के ऊपरी स्तर पर एक और चक्रवात सक्रिय है। एक मानसूनी द्रोणिका मध्य प्रदेश के उत्तरी हिस्से से होकर गुजर रही है, जो बंगाल की खाड़ी से लेकर राजस्थान तक फैली हुई है। जिसके कारण विशेष रूप से पूर्वी मध्य प्रदेश में तेज बारिश हो रही है, यह स्थिति अभी ओर कुछ दिन बनी रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक कहते हैं कि इन दो प्रमुख कारणों के कारण से प्रदेश के कई हिस्सों में बादलों की गतिविधि प्रमुखता से देखी जा सकती है जोकि बारिश होने की मुख्य वजह है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि जबलपुर, डिंडौरी, छिंदवाड़ा, अनूपपुर, उमरिया, शहडोल, कटनी, मैहर, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, शिवपुरी, गुना और अशोकनगर में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

महिला क्रिकेट: तीसरे टी20 में अंतिम गेंद पर जीता इंग्लैंड, भारत को सीरीज जीतने से रोका

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम ने भारत को अंतिम गेंद वाले मुकाबले में 5 रन से हराया

- इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहली बार बल्लेबाजी का फैसला किया।

एजेंसी (हि.स.)

लंदन

फोटोः हि.स.

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे टी20 में भारत को रोमांचक अंतिम गेंद वाले मुकाबले में 5 रन से हराकर सीरीज में पहली जीत दर्ज की। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में अपना खाता खोला।

इस मुकाबले में इंग्लैंड की गेंदबाजी की कमान सोफी एक्लेस्टोन और लॉरेन फाइलर ने संभाली। एक्लेस्टोन ने जहां किफायती गेंदबाजी की, वहीं फाइलर ने अहम मौकों पर विकेट निकालकर भारत को जीत से दूर रखा।

172 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शानदार शुरूआत की। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (56 रन, 49 गेंद) और शेफाली वर्मा (47 रन, 25 गेंद) ने एक और अर्धशतकीय साझेदारी की। शेफाली अर्धशतक से चूक गईं, उन्हें एक्लेस्टोन ने पवेलियन भेजा।

तीसरे नंबर पर उतरीं जेमिमा रोड्रिग्स (20 रन, 15 गेंद) पिछले मैच में अर्धशतक जमाने के बाद अच्छे फॉर्म में दिख रही थीं, लेकिन फाइलर ने स्मृति के बाद उन्हें भी जल्द आउट कर भारत की उम्मीदों को झटका दिया।

हालांकि इंग्लैंड की फील्डिंग में कई कैच छूटे, लेकिन लॉरेन बेल और इस्सी वोंग ने स्लोअर गेंदों का चतुराई से इस्तेमाल करते हुए मैच को आखिरी ओवर तक पहुंचा दिया। आखिरी गेंद पर भारत को जीत के लिए 6 रन चाहिए थे, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर (23 रन, 17 गेंद) छक्का नहीं लगा सकीं।

इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहली बार बल्लेबाजी का फैसला किया। चोटिल नैट स्किवर-ब्रंट की अनुपस्थिति में इंग्लैंड की सलामी जोड़ी सोफिया डंकली (75 रन, 53 गेंद) और डैनी वायट-हॉज (66 रन, 42 गेंद) ने ताबड़तोड़ शुरूआत करते हुए पहले विकेट के लिए 137 रन जोड़े। 16वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने डंकली को कैच आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद इंग्लैंड की पारी बिखर गई और उसने अगले 31 रन में 8 विकेट गंवा दिए।

भारत की ओर से अरूंधति रेड्डी (3/32), दीप्ति शर्मा (3/27), एन. श्री चरणी (2/43), और राधा यादव (1/15) ने शानदार गेंदबाजी की और इंग्लैंड की मिडिल और लोअर ऑर्डर को ध्वस्त कर दिया।

हालांकि इंग्लैंड 170 से ज्यादा का स्कोर बनाने के बाद आज तक कोई टी20 मुकाबला नहीं हारा है, और इस रिकॉर्ड को उसने इस मुकाबले में भी कायम रखा।

सील्स के आखिरी झटकों और किंग की 75 रनों की पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को दबाव में डाला

- वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रहे दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन का अंत बेहद रोमांचक रहा

एजेंसी (हि.स.)

ग्रेनेडा

फोटोः हि.स.

वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रहे दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन का अंत बेहद रोमांचक रहा। वेस्टइंडीज के युवा तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने दिन के अंतिम क्षणों में ऑस्ट्रेलिया के दोनों सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर मुकाबले को पूरी तरह से संतुलित कर दिया। इससे पहले ब्रैंडन किंग की बेहतरीन 75 रनों की पारी और निचले क्रम के उपयोगी योगदान की बदौलत वेस्टइंडीज ने पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया को केवल 33 रनों की बढ़त लेने दी।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरूआत बेहद खराब रही। मात्र 35 मिनट के खेल में सैम कोंटास पहली ही ओवर में अपना विकेट गंवा बैठे। वहीं, उस्मान ख्वाजा को भी सील्स ने एक शानदार इनस्विंगर पर एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। ख्वाजा ने रिव्यू भी लिया, लेकिन निर्णय उनके खिलाफ ही गया। दिन का खेल समाप्त होने तक कैमरून ग्रीन (6)* और नाइटवॉचमैन नाथन लायन (2)* क्रीज पर टिके हुए थे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की स्थिति सहज नहीं कही जा सकती। इससे पहले, वेस्टइंडीज की पहली पारी में टीम ने दो बार अच्छी पकड़ बनाई – पहले 111/3 और फिर 169/4 के स्कोर पर। किंग और शाई होप के बीच 58 रनों की साझेदारी ने ऑस्ट्रेलिया को दबाव में डाला, लेकिन कप्तान पैट कमिंस ने एक बार फिर मौके पर विकेट निकालकर मैच की दिशा बदल दी। किंग ने 77 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया, जिसमें लायन के खिलाफ दो छक्के भी शामिल थे। लेकिन इसके बाद लायन ने उन्हें एक अतिरिक्त उछाल वाली गेंद पर ग्लव करवा कर पवेलियन भेजा। मैदान पर उन्हें आउट नहीं दिया गया था, लेकिन स्टीव स्मिथ ने डीआरएस लेकर विकेट दिलवाया।

पारी के अंत में अल्जारी जोसेफ और शमर जोसेफ ने 51 रनों की अहम साझेदारी कर वेस्टइंडीज को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। जेडन सील्स और एंडरसन फिलिप की अंतिम विकेट जोड़ी ने 10 ओवर तक संघर्ष कर ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को और भी सीमित रखा। वेस्टइंडीज की पारी 253 रन पर समाप्त हुई। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों में नाथन लायन ने 3/75, जॉश हेजलवुड ने 2/43, और पैट कमिंस ने 2/46 के आंकड़े दर्ज किए।

फीफा क्लब विश्व कप 2025 : फ्लूमिनेंसे ने अल हिलाल को हराकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

एजेंसी (हि.स.)

टोरंटो

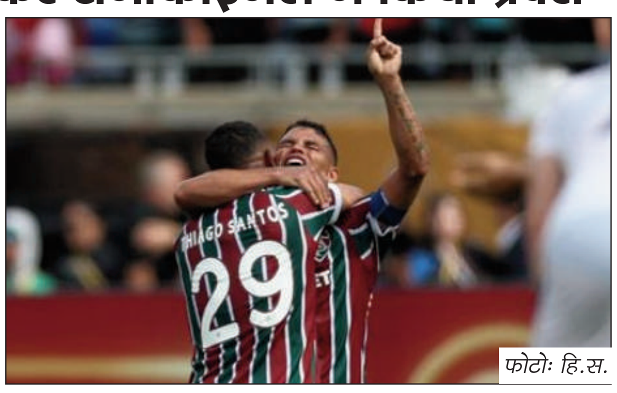

फोटोः हि.स.

ब्राजील की क्लब फ्लूमिनेंसे ने फीफा क्लब विश्व कप 2025 में अपने शानदार अभियान को जारी रखते हुए शुक्रवार को सऊदी अरब की अल हिलाल को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

टूनार्मेंट की अंडरडॉग मानी जा रही फ्लूमिनेंसे ने पहले हाफ में मैथियस मार्टिनेली के शानदार गोल की मदद से बढ़त बनाई। हालांकि, दूसरे हाफ की शुरूआत में अल हिलाल की ओर से मार्कस लियोनार्डो ने बराबरी का गोल दागा। लेकिन फ्लूमिनेंसे ने हार नहीं मानी और 70वें मिनट में हर्क्यूलिस ने निर्णायक गोल कर अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। यह दोनों क्लबों के बीच पहली भिड़ंत थी।

फ्लूमिनेंसे, जो इस टूनार्मेंट में एक कमजोर दावेदार मानी जा रही थी, अब सेमीफाइनल में पामेइरास और चेल्सी के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल मुकाबले के विजेता से भिड़ेगी।

मैच की शुरूआत एक भावुक क्षण के साथ हुई, जहां खिलाड़ियों और दर्शकों ने लिवरपूल के पुर्तगाली फॉरवर्ड डियोगो जोटा और उनके छोटे भाई आंद्रे सिल्वा की कार दुर्घटना में मृत्यु पर एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

पहला गोलः जोआओ कैंसालो की रक्षात्मक चूक का फायदा उठाते हुए गेब्रियल फुएंतेस ने मार्टिनेली को पास दिया, जिन्होंने शानदार लेफ्ट फुट शॉट से टॉप कॉर्नर में गेंद पहुंचाई।

बराबरी का गोलः दूसरे हाफ की शुरूआत में कालिदू कूलिबाली के हेडर के बाद लियोनार्डो ने गोल कर स्कोर 1-1 किया।

निर्णायक गोलः बेंच से आए हर्क्यूलिस ने बेहतरीन टच के साथ बॉक्स में प्रवेश किया और निचले कोने में सटीक फिनिश कर टीम को जीत दिलाई।

दीप्ति शर्मा बनीं महिला टी 20 आई में संयुक्त रूप से दूसरी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

लंदन के द ओवल में शुक्रवार को इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ खेले गए तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान भारत की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इतिहास रच दिया। उन्होंने अपने करियर का 144वां विकेट लेकर महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय में संयुक्त रूप से दूसरी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बनने का गौरव हासिल किया। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान की पूर्व कप्तान निदा डार की बराबरी भी कर ली।

महिला टी20आई में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की पूर्व तेज गेंदबाज मेगन शट के नाम है, जिन्होंने 151 विकेट लिए हैं। दीप्ति शर्मा महिला टी20आई में 100 विकेट लेने वाली पहली भारतीय गेंदबाज भी हैं। अब उनके बाद राधा यादव इस सूची में शामिल होने वाली दूसरी भारतीय गेंदबाज बन गई हैं, जिन्होंने इस मैच में इंग्लैंड की स्टैंड-इन कप्तान टैमी ब्यूमोंट को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। 27 वर्षीय दीप्ति ने जनवरी 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने अपने पहले चार ओवर के स्पेल में 19 रन देकर एक विकेट लिया था। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 4 विकेट पर 10 रन है, जो उन्होंने नवंबर 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हासिल किया था।

हरिद्वार की बेटी संगीता राणा जापान के हिमेजी में करेंगी स्वर्ण पदक की दावेदारी

हरिद्वार। हरिद्वार की अंतर्राष्ट्रीय पावरलिफ्टर संगीता राणा ने आज तड़के जापान के हिमेजी शहर की धरती पर कदम रखे, जहां वे एशियन-अफ्रीकन-पैसिफिक मास्टर्स एंड क्लासिक पावरलिफ्टिंग एंड बेंच प्रेस चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। वे मास्टर-1 डिवीजन (69 किलोग्राम भार वर्ग) की क्लासिक व इक्विप्ड स्पधाओं में दो स्वर्ण पदकों के लिए मजबूत दावेदारी पेश करेंगी। अरुण कुमार पाठक ने बताया कि वर्ष 2023 में उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रतिष्ठित तीलू रौतेली सम्मान और सुषमा स्वराज एवार्ड से सम्मानित संगीता राणा ने सेंट पीटर्सबर्ग (रूस) में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में तीन पदक और अलमाटी (कजाखस्तान) में विश्वकप पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते हैं। इसके अलावा, उन्होंने प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक, ओवरऑल चैम्पियनशिप और स्ट्रांग वूमैन के खिताब भी हासिल किए हैं। रानीपुर की टिहरी विस्थापित कॉलोनी की निवासी संगीता वर्तमान में अपने खेल को बढ़ावा देने के साथ-साथ कई बालक-बालिकाओं और युवा खिलाड़ियों को पावरलिफ्टिंग के गुर सिखा रही हैं। साथ ही, वह अपने दो पुत्रों को मातृत्व भी प्रदान कर रही हैं।

ग्रैंड चेस टूर 2025: गुकेश ने जाग्रेब में रैपिड खिताब जीता

एजेंसी (हि.स.)

जाग्रेब (क्रोएशिया)

फोटोः हि.स.

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर और मौजूदा विश्व चैम्पियन डी. गुकेश ने ग्रैंड चेस टूर 2025 के जाग्रेब चरण में रैपिड खिताब अपने नाम किया। शुक्रवार को समाप्त हुए रैपिड सेक्शन में पोलैंड के जान-क्रिज्टोफ डूडा दूसरे स्थान पर रहे।

गुकेश की शुरूआत पहले राउंड में हार के साथ हुई थी, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लगातार पांच मुकाबले जीत लिए, जिनमें एक जीत पूर्व विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन के खिलाफ भी शामिल रही। इसके बाद गुकेश ने सातवें और आठवें राउंड में क्रमशः अनीश गिरी और इवान सारिच के साथ ड्रॉ खेला। अंतिम राउंड में उन्होंने अमेरिका के वेसली सो को हराकर रैपिड सेक्शन में कुल 14 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। डूडा 11 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि कार्लसन ने 10 अंक जुटाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। भारत के ही आर. प्रज्ञानानंद ने 9 अंकों के साथ फैबियानो करूआना के साथ संयुक्त चौथा स्थान हासिल किया। अब प्रतियोगिता का ब्लिट्ज सेक्शन खेला जाएगा। रैपिड और ब्लिट्ज दोनों सेक्शनों के संयुक्त अंक के आधार पर समग्र विजेता का फैसला किया जाएगा। यह ग्रैंड चेस टूर 2025 का तीसरा टूनार्मेंट है। इससे पहले पोलैंड और रोमानिया चरण क्रमशः अप्रैल और मई में खेले गए थे। प्रज्ञानानंद ने रोमानिया के बुखारेस्ट में खिताब जीता था और वारसॉ, पोलैंड में तीसरे स्थान पर रहे थे। अमेरिका में अगस्त में दो और टूनार्मेंट होंगे, जबकि अंतिम चरण ब्राजील में सितंबर से अक्टूबर के बीच आयोजित किया जाएगा।

खाना- खजाना दर्पण

इस तरीके से बनाएं ढाबा स्टाइल हींग तड़का दाल, उंगलियां चाटते रह जाएंगे सभी

सामग्री

- अरहर दाल (तूर दाल): 1/2 कप
- मूंग दाल (धुली हुई): 1/4 कप (आप चाहें तो चना दाल या मसूर दाल भी थोड़ी-थोड़ी मिला सकते हैं)
- हल्दी पाउडरः 1/2 छोटा चम्मच
- नमकः स्वादानुसार
- पानीः 2-3 कप
- घी/तेलः 1 बड़ा चम्मच
- हींगः 1/4 छोटा चम्मच
- जीराः 1 छोटा चम्मच
- बारीक कटा प्याजः 1 मध्यम आकार का
- बारीक कटा टमाटरः 1 मध्यम आकार का
- अदरक-लहसुन का पेस्टः 1 छोटा चम्मच
- हरी मिर्चः 1-2
- धनिया पाउडरः 1 छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडरः 1/2 छोटा चम्मच
- गरम मसालाः 1/2 छोटा चम्मच
- कस्तूरी मेथीः 1 छोटा चम्मच (हल्का सा मसल कर)
- हरा धनियाः बारीक कटा हुआ (गार्निश के लिए)
- देसी घीः 1-2 बड़ा चम्मच
- जीराः 1/2 छोटा चम्मच
- हींगः 1/4 छोटा चम्मच
- सूखी लाल मिर्चः 2-3
- कश्मीरी लाल मिर्च पाउडरः 1/2 छोटा चम्मच

विधि

✦ अरहर और मूंग दाल को अच्छे से धोकर 20-30 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे दाल जल्दी पकती है। ✦ अब दाल को प्रेशर कुकर में पानी, हल्दी और नमक के साथ डालकर 3-4 सीटी आने तक या दाल के गलने तक पका लें। ध्यान रहे, दाल को बहुत ज्यादा गलना नहीं है, हल्का दाना दिखना चाहिए। ✦ एक कड़ाही या पैन में 1 बड़ा चम्मच घी/तेल गरम करें। ✦ गरम होने पर हींग और जीरा डालकर भूनें, जब तक जीरा सुनहरा न हो जाए। ✦ अब बारीक कटा प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। ✦ अदरक-लहसुन का पेस्ट और बारीक कटी हरी मिर्च डालकर एक मिनट भूनें। ✦ अब बारीक कटा टमाटर डालें और नरम होने तक पकाएं। आप थोड़ा पानी डालकर भी पका सकते हैं ताकि मसाला जले नहीं। ✦ धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और गरम मसाला डालकर अच्छी तरह मिलाएं और 1-2 मिनट तक भूनें जब तक मसालों से खुशबू न आने लगे। ✦ तैयार मसाले में उबली हुई दाल डालें और अच्छी तरह मिलाएं। ✦ जरूरत के हिसाब से गर्म पानी मिलाएं ताकि दाल की कंसिस्टेंसी सही रहे (न बहुत गाढ़ी, न बहुत पतली)। ✦ कस्तूरी मेथी मसल कर डालें और धीमी आंच पर 5-7 मिनट तक पकने दें, ताकि मसाले दाल में अच्छी तरह मिल जाएं। ✦ आखिर में थोड़ा बारीक कटा हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें। ✦ एक छोटे तड़का पैन या कलछी में देसी घी गरम करें। ✦ घी गरम होने पर गैस बंद कर दें या एकदम धीमी कर दें, ताकि मसाले जलें नहीं। ✦ अब इसमें जीरा, हींग और सूखी लाल मिर्च डालें। ✦ जैसे ही जीरा चटकने लगे और मिर्च का रंग बदल जाए, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर डालकर तुरंत मिलाएं और इस तड़के को सीधे दाल के ऊपर डालें। ✦ तड़का डालने के तुरंत बाद दाल को 1-2 मिनट के लिए ढक दें ताकि हींग और बाकी मसालों की खुशबू दाल में अच्छे से समा जाए। ✦ आपकी ढाबा स्टाइल हींग तड़का दाल गरमा गरम परोसने के लिए तैयार है ! इसे रोटी, नान, या जीरा चावल के साथ परोसें और इस लाजवाब दाल का मजा लें।

शाम की हल्की भूख में बनाकर खाएं क्रिस्पी आलू टोस्ट

सामग्री

- उबले आलूः 2 मध्यम आकार के
- ब्रेड स्लाइसः 6-8 (अपनी पसंद की कोई भी ब्रेड ले सकते हैं)
- बारीक कटा प्याजः 1 छोटा
- बारीक कटी हरी मिर्चः 1-2 (स्वादानुसार)
- बारीक कटा हरा धनियाः 2 बड़े चम्मच
- लाल मिर्च पाउडरः ½ छोटा चम्मच
- हल्दी पाउडरः ¼ छोटा चम्मच
- धनिया पाउडरः ½ छोटा चम्मच
- गरम मसालाः ¼ छोटा चम्मच
- नमकः स्वादानुसार
- तेल/घीः टोस्ट सेकने के लिए

विधि

✦ सबसे पहले उबले हुए आलूओं को एक बड़े कटोरे में अच्छी तरह मैश कर लें। ध्यान रहे कि आलू में कोई गांठ न रहे। ✦ अब इसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, हरा धनिया, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। आप चाहें तो थोड़ा-सा अमचूर पाउडर या चाट मसाला भी डाल सकते हैं, इससे स्वाद और बढ़ जाएगा। ✦ ब्रेड की एक स्लाइस लें और उस पर आलू के मिश्रण की एक पतली और समान परत फैलाएं। आप अपनी पसंद के अनुसार मोटी या पतली परत लगा सकते हैं। ✦ अब एक तवा या नॉन-स्टिक पैन गरम करें। उस पर थोड़ा-सा तेल या घी फैलाएं। अब आलू लगी हुई ब्रेड को तवे पर आलू वाली तरफ से नीचे रखें। ✦ मध्यम आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेकें। जब आलू वाली साइड अच्छी तरह क्रिस्पी हो जाए, तो दूसरी तरफ भी थोड़ा तेल या घी लगाकर सेक लें। ✦ तैयार क्रिस्पी आलू टोस्ट को अपनी मनपसंद चटनी, टोमैटो सॉस या हरी चटनी के साथ गर्मागर्म परोसें।

इस रेसिपी से बनाएं बैंगन का भरता, बच्चों को भी आएगी खूब पसंद

बैंगन खाने में अक्सर बच्चे नाक-मुंह सिकोड़ते हैं। लेकिन आज हम आपको बैंगन का भरता बनाने की ऐसी शानदार रेसिपी बताने वाले हैं, जिसे चखकर बच्चे भी मांग-मांगकर बैंगन खाएंगे। बैंगन का भरता बनाने के लिए आपको बस कुछ आसान स्टेप्स फॉलो करने होते हैं और इसे आप रोटी, पराठा या दाल-चावल के साथ खा सकते हैं। आइए जानें बैंगन का भरता बनाने की आसान रेसिपी।

सामग्री

- 2 बड़े बैंगन
- 1 बड़ा प्याज (बारीक कटा हुआ)
- 2 टमाटर (बारीक कटे हुए)
- 4-5 लहसुन की कलियां (पीसी हुई)
- 2 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई)
- 1 छोटा चम्मच जीरा
- 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/2 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर
- 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला
- स्वादानुसार नमक
- 2 बड़े चम्मच सरसों का तेल
- हरा धनिया (गार्निशिंग के लिए)

विधि

✦ सबसे पहले गैस पर ग्रिल रखें और उस पर बैंगन को रखकर अच्छी तरह से भून लें। ✦ बैंगन को चारों तरफ से अच्छी तरह सेकें, ताकि उसका छिलका जल जाए और अंदर का गूदा नरम हो जाए। ✦ अब बैंगन को ठंडा होने दें, फिर उसका छिलका उतारकर गूदे को एक कटोरी में निकाल लें। ✦ एक कड़ाही में सरसों का तेल गर्म करें और उसमें जीरा डालकर भूनें। ✦ अब इसमें बारीक कटा प्याज डालें और हल्का सुनहरा होने तक भूनें। ✦ प्याज के भून जाने के बाद इसमें लहसुन और हरी मिर्च डालकर कुछ सेकंड भूनें। ✦ अब कटे हुए टमाटर डालें और नरम होने तक पकाएं। ✦ टमाटर के पक जाने के बाद हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। ✦ अब इसमें भुने हुए बैंगन का गूदा डालें और मसालों के साथ अच्छी तरह मिलाएं। ✦ इस मिक्सचर को धीमी आंच पर 5-7 मिनट तक पकाएं, ताकि सभी स्वाद अच्छी तरह मिल जाएं। ✦ लास्ट में गरम मसाला डालकर हल्का-सा मिलाएं और गैस बंद कर दें। ✦ तैयार भरते को एक बाउल में निकालें और ऊपर से हरा धनिया बुरक दें। ✦ बैंगन का भरता गरम-गरम रोटी, पराठे या दाल-चावल के साथ परोसें।

नई सहकारिता नीति से समाज, देश में होंगे क्रांतिकारी बदलाव: डॉ अरविंद शर्मा

सीएम पैक्स के माध्यम से खुलेंगे जनऔषधि केंद्र, सीएससी सेंटर व गैस स्टेशन

संवाददाता
पंचकूला

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकार आंदोलन को रफ्तार देने के लिए सहकारिता मंत्रालय जल्द नई सहकारी नीति घोषित करेगा। उन्होंने हरियाणा में गन्ना उत्पादकों को हार्वेस्टिंग के दौरान आने वाली परेशानियों के समाधान के लिए हरको बैंक के माध्यम से लोन उपलब्ध करवाने की घोषणा की। इससे युवाओं, किसानों को हार्वेस्टिंग मशीनों के व्यवसायिक इस्तेमाल से आर्थिक तौर पर मजबूत होने के अवसर मिलेंगे।

शनिवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का लोगो लांच किया व दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम की शुरूआत की। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि एक समय में सहकारिता संस्थाओं के माध्यम से महज खाद, दवाई, लोन संबंधी काम ही होते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन व केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की अगुवाई में आज सहकारी समितियों के माध्यम से जन औषधि केंद्र, सीएससी सेंटर, गैस स्टेशन जैसे 25 प्रकार के काम करने के अवसर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। देश मे जल्द ही नई सहकारी नीति लागू होने जा रही है, जो केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के हर घर को सहकार से जोड़ने के विचार को मजबूत करते हुए वर्तमान दौर की चुनौतियों के हिसाब से बड़े अवसर उपलब्ध करवाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा इस नीति के आने के तुरंत बाद लागू करेगा और प्रदेश की जरूरतों के मुताबिक इसमें आवश्यक बदलाव करेगा।

सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह की बजट घोषणा के तहत 500 सीएम पैक्स का गठन करने की दिशा में प्रदेश में अब तक 141 सीएम पैक्सों का गठन हो चुका है। उन्होंने कहा कि पैक्सों के माध्यम से छोटे वेयर हाउस भी स्थापित किए जाएंगे, जिससे पीडीएस प्रणाली के तहत खाद्य की आपूर्ति इनके जरिए सम्भव हो सके। देश में 140 करोड़ भारतीय को सहकार से जोड़ने के लिए केंद्र-प्रदेश सरकार निरन्तर कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि सहकार से जुड़े प्रत्येक नागरिक के जीवन मे आने वाले समय मे बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश में गन्ना उत्पादक किसानों के सामने हार्वेस्टिंग को लेकर आने वाली समस्या के समाधान के लिए हरको बैंक के पैक्स के माध्यम से युवाओं, किसानों को हार्वेस्टिंग मशीन खरीद के लिए लोन उपलब्ध करवाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इसने पात्र हार्वेस्टिंग मशीनों को व्यवसायिक तरीके से इस्तेमाल करके आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि अब डेयरी फेडरेशन के माध्यम से सीएम पैक्स के सदस्यों को भी वीटा बूथ आबंटन में अवसर प्रदान किए जाएंगे। यहीं नहीं डेयरी फेडरेशन वीटा बूथों को माडर्नाइज्ड बनाया जाएगा, ताकि वहां वीटा और हैफेड के खाद्य उत्पादों की उपलब्धता होगी। इस अवसर पर विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञान चन्द गुप्ता, पूर्व विधायक लतिका शर्मा, सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेन्द्र सिंह, सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार राजेश जोगपाल, प्रदेश के कोने-कोने से आए सहकार बन्धु उपस्थित रहे।

हरियाली की ओर एक कदम: पेक ने मनाया वन महोत्सव 2025

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), चंडीगढ़ के एस्टेट ऑफिस ने यूटी प्रशासन के सहयोग से वन महोत्सव 2025 को 5 जुलाई को एक बड़े पौधारोपण अभियान के साथ मनाया – यह कदम पर्यावरण संरक्षण के प्रति संस्थान की मजबूत प्रतिबद्धता को भी दशार्ता है।

इस आयोजन की शोभा बढ़ाई पंजाब के माननीय राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया जी ने, जो इस पहल के मुख्य प्रेरणास्त्रोत भी रहे। कार्यक्रम की शुरूआत उन्होंने अरेका पाम का पौधा लगाकर की, जिसमें पेक के निदेशक प्रो. राजेश कुमार भाटिया, रजिस्ट्रार कर्नल आर.एम. जोशी, फैकल्टी मेंबर्स और एस्टेट ऑफिस के स्टाफ सदस्यों ने भी भाग लिया।

600 से ज्यादा पौधे झ जिनमें औषधीय, फूलों वाले, आम के पेड़, हिबिस्कस और अरेका पाम शामिल हैं झ कॉलेज परिसर में लगाए गए। यह पहल सिर्फ पेक तक सीमित नहीं रही, बल्कि शहर भर में फैली, जहां चंडीगढ़ के वन एवं वन्यजीव विभाग की अगुवाई में 253 स्थानों पर पौधारोपण किया गया। लक्ष्य है झ एक ही दिन में एक लाख से ज्यादा पौधे लगाना।

वन महोत्सव 2025 सिर्फ एक दिन की रस्म नहीं है, बल्कि एक ऐसा अभियान है जो समाज के हर वर्ग को जोड़कर पर्यावरण के प्रति जागरूकता और भागीदारी बढ़ा रहा है। सरकारी विभाग, शिक्षण संस्थान, वैज्ञानिक समुदाय और आम जनता हरियाली के इस मिशन में सब साथ हैं, और एक हरा-भरा भविष्य सभी का साझा सपना है।

संक्षिप्त-समाचार

नवीन गुप्ता चंडीगढ़ कांग्रेस के विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त

चंडीगढ़। पार्टी की संगठनात्मक संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्थानीय कांग्रेस के अध्यक्ष एचएस लक्की ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता नवीन गुप्ता को पार्टी का विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया है। यह नियुक्ति चंडीगढ़ कांग्रेस नेतृत्व की एक रणनीतिक पहल मानी जा रही है, जिसका उद्देश्य सक्रिय और ऊजार्वान व्यक्तियों को अहम जिम्मेदारियों में शामिल कर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नीतियों और कार्यक्रमों को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से लागू करना है। लक्कीने कहा कि गुप्ता की कांग्रेस पार्टी के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता और सार्वजनिक जीवन में उनकी सक्रिय भागीदारी इस पद के लिए उन्हें उपयुक्त बनाती है तथा इस नई भूमिका में नवीन गुप्ता पार्टी की दूरदृष्टि को सशक्त करने, जनसंपर्क बढ़ाने और समाज के सामूहिक कल्याण के लिए कार्य करेंगे। इस नियुक्ति को चंडीगढ़ में पार्टी संगठन को पुनर्जीवित करने और समाज के विभिन्न वर्गों में समर्थन जुटाने की व्यापक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

32वां मेंगो मेला के दूसरे दिन भी लोगों में भारी उत्साह, लोगों ने चखा आम का स्वाद

पंचकूला। 32वें मेगों मेले के दूसरे दिन पिंजौर के यादविंद्र गार्डन में फलों के राजा आम को देखने वालों हजूम उमड़ा रहा। बड़ी संख्या में छात्र विभिन्न स्कूली प्रतियोगिताओं की प्रतिभा दिखाने के लिए उत्सुक रहें। मेले में पहुंचे आम के शौकीन लोगों ने विभिन्न प्रदर्शनी में शामिल आमों की किस्मों को आमों के रंग, प्रकार ओर बनावट जैसी भौतिक विशेषताओं के आधार पर विविध प्रकार की किस्मों को देखा ओर ब्रिकी काउंटरों पर आम के शौकीनों ने आमों को खूब पसंद किया ओर स्वाद भी चखा। आमों की प्रदर्शनी में विभिन्न राज्यों से किसान आम की किस्मों को लेकर शामिल हुए। जिसमें लंगडा, सुंदरा, रटोल, चौसा, दशहरी, सफेदा, गुलाब, खास, बारामासी, दिलकश, फाजिल, आम्रपाली, महक, मोहनबाग, मालदा गुलाब जामुन, मलिका, गुलाब खास, सिंदूरी व रसपुनिया जैसी किस्में शामिल रही। शिल्प बाजार में पहुंचे लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। जहां वह अपने पंसदीदा सामान खरीदते देखे जा सकते हैं। शिल्प बाजार में बेचे जा सारा सामान बच्चों व बड़े दोनों को पसंद आ रहे हैं। इसमें बड़े लोग अपने बचपन को याद कर रहे हैं। जबकि बच्चों को खिलौने लुभा रहे हैं। फूड कोर्ट भी खाने के लिए शौकीनों के लिए बेहतरीन खाना परोस रहा है। असली स्टीट फूड खाने के शौकीन लोगों के लिए यहां बहुत विकल्प है। तीन दिवसीय मेगों मेले में दूसरे दिन पहुंचे लोगों ने मनोरंजन का भरपूर लुत्फ उठाया। शाम को पंजाबी संगीतकारों ने कार्यक्रमों में समां बांधा रखा। दर्शकों की भीड़ देखने लायक थी। इसके अलावा स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम भी काफी शानदार रहें। मेला में प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों से पर्यटक भी पहुंचे। लोगों ने मेला में लगे बाजार में जमकर खरीददारी करी। इसके अलावा तीन दिन चले इस मेला में दर्शकों ने फूड कोर्ट में लगाए गए व्यजनों को लुत्फ उठाया। डॉ. रणबीर सिंह, महानिदेशक, उद्यान ने बताया कि केन्द्र का उदेश्य प्रदेश के किसानों को विभिन्न फलों के उच्च किस्मों के पौधें उपलब्ध कराना है, जिसमें कम समय में बढ़िया फल किसानों को मिल सकें और बाजार में उनके फलों की मांग के साथ-साथ उन्हें बढ़िया दाम भी मिल सकें। महानिदेशक ने कहा कि मेंगो मेला 32 वर्षों से आयोजित किया जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि इस मेले का उदेश्य जहां आम की विभिन्न किस्मों को शामिल करना होता है, वहीं मेले में पहुंचे आम उत्पादकों को बढ़िया किस्मों को देखने व समझने का अवसर मिलता है।

पंचकूला के आशियाना फ्लैट्स होंगे चमकदार

पंचकूला। शहर में बने 2072 आशियाना फ्लैट्स के हालात अब बदलने वाले हैं। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा शहर में इन आशियाना फ्लैट्स में पेंट, प्लास्टर के कार्य करवाने के लिए टेंडर आवंटित कर दिया है। पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल ने शनिवार को इस कार्य को लेकर बनाई गई रूपरेखा का निरीक्षण किया और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उच्च क्वालिटी का पेंट और प्लास्टर होना चाहिए, ताकि आने वाले कई सालों तक लोगों को परेशानी ना हो। कुलभूषण गोयल ने निर्देश दिए कि आशियाना फ्लैट्स के बाहर की तरफ बालकोनी और दीवारों पर सुंदर रंग किया जाए, ताकि दूर से ही इन फ्लैट्स की खूबसूरती दिखाई दे। कुलभूषण गोयल ने बताया कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने दो टेंडर लगाकर इसका कार्य आवंटित किया है, जिसमें सेक्टर 20 में 960 फ्लैट्स और गांव अभयपुर के 256 फ्लैट्स का एक टेंडर 1.88 करोड़ रुपये में आवंटित किया गया है। आशियाना फ्लैट्स सेक्टर 26 में पाकेट ए में 224 और पाकेट बी में 312 एवं सेक्टर 28 के 320 फ्लैट्स का कार्य पौने 2 करोड़ रुपये में आवंटित किया है।